जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, शनिवार 28 दिसम्बर, 2024

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। –वाल्मीकि

भारत विरोधी ताकतों के चंगुल में फंस रहा है बांग्लादेश

बांग्ला देश धीरे-धीरे भारत विरोधी ताकतों के चंगुल में फंसता जा रहा है। शेख हसीना सरकार को गिराने के बाद कट्टरपंथियों के हौसले बुलंद है। अगस्त में जब से शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट हुआ, तब से भारत विरोधी ताकतों ने कब्जा जमाया है। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाला बांग्लादेश भारत को आंख दिखा रहा है। वहां से भारत के खिलाफ बयान दिए जा रहे हैं। वहीं पाकिस्तान और चीन से अच्छे ताल्लुकात बनाए जा रहे हैं। शेख हसीना के खिलाफ वहां चले आंदोलन को पाकिस्तान का पूरा समर्थन हासिल था। इस आंदोलन में छात्रों के साथ, वहां की दक्षिणपंथी पार्टी बीएनपी के सदस्य भी थे। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी पर लगी पाबंदी हटा दी है।

मोहम्मद यूनुस को अब जमात-ए-इस्लामी की कठपुतली के तौर पर देखा जाने लगा है। तख़्ता पलट के फौरन बाद ही बांग्लादेश की जेलों से कई कट्टरपंथी आतंकी रिहा कर दिए गए। निर्वाचित सरकार को गिराने के बाद कट्टरपंथी ताकतों ने खुलेआम हिन्दुओं और उनके पूजा स्थलों पर हमले शुरू कर दिए है। विदेश मंत्रालय ने खुलासा किया कि बांग्लादेश में साल 2024 में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के 2,200 मामले सामने आए। ये मामले पडोसी देश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद सामने आए हैं। सरकार ने बताया कि इसी अवधि के दौरान पाकिस्तान में भी ऐसे 112 मामले सामने आए। साथ ही बांग्ला देश के वर्तमान शासकों ने पाकिस्तान से पींगे बढ़ानी भी शुरू कर दी है। इससे उनके खतरनाक इरादों का पत्ता चलता है। 1971 में जब बांग्लादेश डूब रहा था तो भारत ने अपना पैसे, हथियार और सैनिक दांव पर लगाकर उसकी रक्षा की और आजादी दिलाई। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने बांग्ला देश की सेना को प्रशिक्षित करने का बीड़ा उठाया है। बांग्ला देश के निर्माता शेख मुजीबुर्रहमान की यादों और उनके स्मारकों को तहस नहस किया जा रहा है। ढाका में शेख मुजीबुर्रहमान की मूर्ति को तोड़ा गया और कई सार्वजनिक स्थानों पर लगी उनकी नेमप्लेट को हटाया गया। यही नहीं जॉय बांग्ला को अब राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेशी सरकार ने इसे लेकर आदेश जारी किया है। बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान ने 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था।

पाकिस्तान और बांग्ला देश में जब भी कोई सियासी घटनाक्रम होता है उस दौरान उपद्रवी कट्टरपंथी तत्व अल्पसंख्यकों पर सबसे पहले हमले शुरू कर देते है। दोनों मुस्लिम देशों में हिंदू आबादी हमेशा निशाने पर रही है। यही वजह है कि वहां साल-दर-साल हिंदुओं की आबादी घटती जा रही है। विशेषकर हिन्दू और हिंन्दू मंदिर उनके निशाने पर होते है। हम बात कर रहे है बांग्ला देश के सियासी घटनाक्रम पर जहां प्रधान मंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देकर भागने के बाद देश के अंदर हिंदुओं के ऊपर अत्याचार शुरू हो गया है।

बांग्लादेश में जगह-जगह पर हिंदू मंदिरों और हिंदू समुदाय पर हमले की खबरें आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि हिंदुओं के घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इस्कॉन और काली मंदिर पर हमले हुए हैं, जिसके बाद हिंदुओं को जान बचाने के लिए छिपना पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं को घरों से निकाल कर पीटा जा रहा है। उनकी दुकानों में लूटपाट की जा रही है। रंगपुर से हिंदू काउंसलर काजल रॉय की उपद्रवियों ने हत्या कर दी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर सालों से हमले होते आ रहे हैं। हिंदुओं के मंदिर, घर, दुकानों, पांडाल में तोड़फोड़ और लूटपाट की खबरें सामने आती रही हैं। हिन्दू इलाकों में भयावह चीख पुकार मची है कि उसे सुनने वालों के रोंगटे खड़े हो जाएं। खौफ में जी रहे हिन्दू सवाल पूछ रहे हैं कि वो जाए तो कहां जाएं। कट्टरपंथियों ने हिन्दुओं के घरों में ऐसी तबाही मचाई की पीड़ित परिवार रोते-बिलखते दिखे। बांग्लादेश में कई जगहों पर हिन्दुओं के रिहायशी इलाके में भीड़ ने हमला कर दिया, इस दौरान हिन्दुओं के घरों को जला दिया गया और जमकर तोड़फोड़ की गई। जिसके बाद हिन्दू समुदाय वहां अपनी जान की हिफाज़त की गुहार लगाता नज़र आया। इससे पहले भी बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर और हिंदुओं पर हमले के कई मामले सामने आ चुके हैं। सरकार और प्रशासन हमलावरों के खिलाफ कोई सख्त कार्यवाही अमल में लाने पर नाकारा साबित होते है जिससे हमलावरों के हौसले बुलंद होते है। बांग्लादेश में 1 करोड़ 30 लाख की हिन्दू आबादी बताई जा रही है।

पाकिस्तान और बांग्ला देश दोनों ही इस्लामिक देश है। दोनों ही देशों में कट्टरपंथी ताकतें शासन प्रशासन पर हावी है। इन दोनों इस्लामिक देशों में हिन्दू अल्पसंख्यक है जिन पर आये दिन हमले होते रहते है। हिन्दुओं के धार्मिक स्थलों को भी लगातार निशाना बनाया जाता है। आज़ादी के बाद पाकिस्तान और बांग्ला देश में सैंकड़ों हिन्दू मंदिरों को नेस्तनाबूद कर दिया गया।

पाकिस्तान और बांग्ला देश दोनों ही इस्लामिक देश है। दोनों ही देशों में कट्टरपंथी ताकतें शासन प्रशासन पर हावी है। इन दोनों इस्लामिक देशों में हिन्दू अल्पसंख्यक है जिन पर आये दिन हमले होते रहते है। हिन्दुओं के धार्मिक स्थलों को भी लगातार निशाना बनाया जाता है। आज़ादी के बाद पाकिस्तान और बांग्ला देश में सैंकड़ों हिन्दू मंदिरों को नेस्तनाबूद कर दिया गया। दोनों ही इस्लामिक देशों में हिंदू संस्कृति संकट में है। हाल यह है कि हिंदुओं को मंदिरों में पूजा करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। इन देशों में अल्पसंख्यक की महिलाओं के साथ रेप, मर्डर जैसी घटनाएँ आए दिन सामने आती रहती हैं।

अल्पसंख्यकों की जिंदगी पाकिस्तान और बांलादेश दोनों में नर्क है। यहां पर आए दिन हिंदू परिवारों के साथ उत्पीड़न का मामला आता रहता है। हिंदूओं को जबरन इस्लाम कबूल करने पर मजबूर किया जाता है। हिंदू बेटियों का धर्म परिवर्तन कर जबरन मुस्लिम पुरुषों से निकाह कराया जाता है। आए दिन हिंदू लड़कियों के साथ रेप के मामले सामने आते रहते हैं। विभाजन के समय पाकिस्तान में 23 प्रतिशत हिंदू-सिख थे आज घटकर 2 प्रतिशत बचे हैं।

बांग्लादेश में भी अब पाकिस्तान जैसे हालात उत्पन्न होते जा रहे हैं। एक स्टडीज के मुताबिक बांग्ला देश में 1951 में हिंदुओं की आबादी 23 प्रतिशत थी, जो 2017 में घटकर 9 फीसदी रह गई। अब तो ओर भी कम हो गई है। बांग्लादेश मानवाधिकार संगठन ऐन ओ सलीश केंद्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2013 से 2021 तक बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाते हुए 3600 हमले हुए। इस दौरान हिंदू महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के कई मामले भी सामने आए। एक आंकड़े के मुताबिक बीते समय बांग्लादेश में 150 से अधिक हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया था। इस स्टडी के अनुसार, इन 10 वर्षों के दौरान हिंदुओं के खिलाफ हमलों में एक हज़ार से अधिक घरों और 600 दुकानों और व्यवसायों को निशाना बनाया गया और उनमें तोड़फोड़ और आगजनी की गई। इस दौरान हिंदू मंदिरों, मूर्तियों और पूजा स्थलों में तोड़फोड़ और आगजनी के दो हज़ार से अधिक मामले दर्ज किए गए। ऑल पाकिस्तान हिंदू राइट्स मूवमेंट के एक सर्वे के अनुसार, साल 1947 में जब भारत-पाकिस्तान अलग हुए तो पाकिस्तान के हिस्से में 428 मंदिर मौजूद थे। मगर 1990 के बाद इनमें 408 मंदिरों को रेस्टोरेंट, होटल, दफ्तर, सरकारी स्कूल या मदरसे में तब्दील कर दिया गया। पाकिस्तान में अब केवल 22 हिंदू मंदिर ही बचे हुए हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

मिट्टी और धूल का जटिल रिश्ता

मां अक्सर कहा करती थी, जहाँ के पेड़-पौधे पहचान में आने बंद हो जाये, वहाँ आदमी पराया हो जाता है। जब मैं छोटा था, यह बात मुझे बस एक साधारण सी कहावत लगती थी। लेकिन आज, जब मैं उनकी ज़िंदगी को देखता हूँ, तो यह समझ आता है कि मिट्टी और धूल का रिश्ता कितना जटिल और गहरा है।

मां की अपनी मिट्टी दिल्ली थी। वहीं उनका जन्म हुआ, वहीं उनकी पहचान बनी। दिल्ली सिर्फ एक शहर नहीं था, वह उनकी आत्मा का हिस्सा था। अंग्रेज़ी अखबार पढ़ना, आधुनिक सोच रखना, और अपने लिए सही निर्णय लेना उनकी खासियत थी। इतनी आत्मनिर्भर थीं कि मेरे छोटे शहर के वेटरनरी डॉक्टर पिता को शादी के लिए पहली बार में मना कर दिया था-उन दिनों यह असाधारण बात थी। लेकिन जब शादी हुई और उनका जीवन बीकानेर जैसे छोटे शहर की ओर मुड़ा, तो उनकी पूरी दुनिया ही बदल गई।

बीकानेर उनके लिए एक पराई जगह थी। दिल्ली की चहल-पहल और आधुनिकता से दूर, यह एक शांत, रूढ़िवादी शहर था। लेकिन मां ने धीरे-धीरे इसे अपनाया। हालाँकि, यह यात्रा आसान नहीं थी। मेरे दादाजी, जो हमारे साथ रहते थे, बेहद नियंत्रक स्वभाव के थे। मां को बीकानेर में रहकर उनकी देखभाल करनी पड़ी, जबकि पिता काम के सिलसिले में गाँवों और कस्बों में समय बिताते थे। घर में छोटी बहू होने के कारण, उन्हें जेठानी की सामाजिक ताकत और आर्थिक साधनों के आगे अक्सर झुकना पड़ता था।

फिर भी, मां ने अपनी पहचान बनाई। शायद उनके अपने बेटों की मां बन जाना उनकी सबसे बड़ी जीत थी। या शायद, यह उनका सबसे बड़ा अफसोस। उन्होंने बीकानेर में अपना घर बसाया, हमारे लिए एक सुरक्षित दुनिया बनाई और हर वह जिम्मेदारी निभाई, जो एक निम्न-मध्यमवर्गीय महिला से अपेक्षित होती है। लेकिन जिस घर में उन्होंने खुद को एक नींव की तरह स्थापित किया था, वहाँ भी उनका नियंत्रण एक तरफा था।

मां का स्नेह उनके पति के अस्पताल के स्टाफ तक ज़्यादा फैला लेकिन इस स्नेह के पीछे एक गहरी नियंत्रण की प्रवृत्ति भी थी। समय-समय पर बदलते सहायक उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गए थे, लेकिन मां का उनके साथ व्यवहार अक्सर कठोर होता था। शायद यह उनकी अपनी असुरक्षाओं और उन सामाजिक अन्यायों की प्रतिक्रिया थी, जो उन्हें छोटी और कम साधन-सम्पन्न बहू होने के कारण झेलने पड़े। जिन रिश्तों ने मां को सबसे अधिक प्रेम और सम्मान दिया, वहाँ भी एक दूरी बनी रही। हमारा समाज भी ख़ून के रिश्तों का कुछ ज़्यादा ही पिछलग्गू है।

धीरे-धीरे बीकानेर मां की मिट्टी बन गया। उन्होंने वहाँ की जड़ों में खुद को पूरी तरह समा लिया था। यह शहर उनके अस्तित्व का हिस्सा बन गया। लेकिन यह स्थिरता तब तक कायम रही, जब तक पिता जीवित थे। उनके जाने के बाद, बीकानेर की मिट्टी उनके लिए दरकने लगी। वह घर, जो कभी उनका आश्रय था, अब उन्हें एक चौराहे पर खड़ा कर गया। हम दोनों भाई, जो पहले से ही अमेरिका में थे, उनके जीवन का अगला कदम तय करने लगे। मां के पास अब भारत में टिके रहने का कोई साधन नहीं बचा था। उनका जीवन अब एक नई दिशा में बढ़ रहा था-धूल बनने की ओर। जब मां अमेरिका आईं, तो हमने उन्हें हर संभव आराम देने की कोशिश की। बड़े घर, बेहतर सुविधाएँ, और परिवार का साथ। लेकिन उनके मन में हमेशा एक खालीपन था। उनके आसपास लोग थे, लेकिन वह समुदाय नहीं, जिसकी वह आदी थीं। अमेरिका का समाज, जहाँ रिश्तों में बराबरी का भाव अधिक है, मां के लिए अजनबी था। कभी-कभी मुझे लगता है कि यह मेरा भ्रम था, लेकिन मां के चेहरे पर वह अपनापन और वह जुड़ाव कभी नहीं दिखा। भारतीय समाज में बहू और सास का रिश्ता अक्सर बेटे या पति को जीतने की होड़ में उलझ जाता है। जो रिश्ता प्यार और सम्मान पर आधारित होना चाहिए, वह अधिकार और नियंत्रण की लड़ाई में बदल जाता है। यहाँ अमेरिका में जहाँ बड़ों से रिश्ते अक्सर न तो अधिकार की मांग करते हैं और न ही नियंत्रण की, मां का मन अपनी पुरानी सामाजिक ढाँचों की पहचान को कहीं खोया हुआ महसूस तो करता होगा। अमेरिका में मां धूल की तरह उड़ती रहीं-कभी मेरे पास, कभी मेरे भाई के पास। वह हर बार बसने की कोशिश करतीं, लेकिन धूल का स्वभाव यही है-वह कहीं टिकती नहीं। पिछले साल हमने मां को दिल्ली के पास एक सीनियर लिविंग होम में शिफ्ट किया। यह निर्णय हमारे लिए मुश्किल था, लेकिन हमने सोचा कि शायद यह उनके लिए राहतभरा होगा। उनकी अपनी मिट्टी-उनकी भाषा, उनका भोजन, उनका माहौल-सब कुछ फिर से उनके पास था।

पर शायद यह बहुत देर से हुआ। उनकी बिगड़ी हुई आँखें, कमज़ोर शरीर और समाज से कटा हुआ जीवन-शायद यह सब उन्हें पूरी तरह से इस नई जगह से जुड़ने नहीं दे पाया। वह हमेशा कहतीं, यह घर नहीं है, लेकिन जब उन्हें वापस घर लाने का विकल्प दिया गया, तो उन्होंने इनकार कर दिया। ऐसा लगा, जैसे वह खुद को धूल बनने और अंततः मिट्टी में लौटने के लिए तैयार कर रही थीं। यह घर उन्हें सहारा देता था, लेकिन वह कभी पूरी तरह से अपना नहीं बना सकीं।

चार महीने। बस चार महीने। मां दिल्ली की मिट्टी में लौटीं और फिर उसी मिट्टी का हिस्सा बन गईं। उनकी अचानक मृत्यु ने हमें झकझोर कर रख दिया। आज जब मैं उनकी ज़िंदगी को पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो सोचता हूँ कि सही क्या था, और ग़लत क्या। क्या मां को कभी अमेरिका लाना ही नहीं चाहिए था? क्या उन्हें बीकानेर में ही रहने देना चाहिए था, जहाँ वे मिट्टी बन चुकी थीं? या यह सब नियति का खेल था, जिसमें मां को मिट्टी से धूल और फिर धूल से मिट्टी बनना ही था? मिट्टी स्थिरता देती है, वह जुड़ाव देती है। धूल स्वतंत्रता देती है, नए अनुभव देती है। लेकिन धूल का एक अकेलापन है। वह बहती रहती है, पर कहीं टिक नहीं पाती। मां ने दोनों जिंदगियाँ जीं। बीकानेर में मिट्टी बनकर उन्होंने एक परिवार को सींचा। अमेरिका में धूल बनकर उन्होंने अपने बच्चों के लिए वह बलिदान दिया, जो शायद हर मां करती है। लेकिन अंत में, उनका मन हमेशा अपनी मिट्टी के लिए तड़पता रहा।

शायद हर धूल को अपनी मिट्टी में लौटने का रास्ता मिलना चाहिए। मां की कहानी ने मुझे यह सिखाया कि जुड़ाव और स्थिरता इंसान को आखिर तक सुकून देती है। धूल भले ही उड़ने के लिए स्वतंत्र हो, लेकिन अंततः मिट्टी ही उसे थाम लेती है।

–डॉ. पंकज राजवंशी,
सिएटल (अमरीका) में एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट है

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने काजरी शोध क्षेत्रों का भ्रमण किया

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने काजरी शोध क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा वैज्ञानिकों से संवाद किया। उन्होंने समन्वित कृषि कैफेटेरिया फलोउद्यानिकी, परिशुद्ध कृषि ब्लाक तथा काजरी फार्म में लगी विभिन्न फसलों, पेड़-पौधे, कृषि तकनीकियों के बारे में वैज्ञानिकों से विस्तार से जानकारी ली।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने काजरी का दौरा किया।

- **शिवराज सिंह चौहान ने बेर टमाटर, चैरी टमाटर, अमरूद एवं बाजरा लड्डू का जायका भी लिया**

इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प किसानों की आय को बढ़ाना है। खेती से किसान को अच्छी आय हो और देश में अनाज, फल आदि के भण्डार भरे रहे, इसके लिए आईसीएआर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती से मुनाफा बढ़ाने के लिए उन्हें जल्दी पकने वाली, कम समय, कम पानी की आवश्यकता वाली, लागत कम और मुनाफा अधिक हो ऐसी किस्में उपलब्ध करवायी जा रही है, ताकि किसान की आय बढ़े। कृषि मंत्री ने कहा कि खेती में लाभ अर्जित के लिए कृषि में विविधिकरण होना आवश्यक है। मुझे खुशी है कि काजरी संस्थान में जो समन्वित कृषि कैफेटेरिया एवं विभिन्न कृषि प्रणालियों के मॉडल विकसित किये हैं वो वर्षभर आमदनी के दृष्टि से फायदेमंद है। उन्होंने हाइड्रोपोनिक एवं एरोपोनिक सिस्टम के बारे में जानकारी ली और कहा कि संरक्षित खेती के क्षेत्र में संस्थान में अच्छा शोध कार्य हो रहा है। कम लागत के नेट हाउस के उपयोग को और बढ़ावा देना चाहिए तथा पढे लिखे युवाओं को इससे जोड़ना चाहिए। उन्होंने बेर टमाटर, चैरी टमाटर, अमरूद एवं बाजरा लड्डू का जायका भी लिया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वैज्ञानिकों के साथ बैठक ली तथा किसानों से संवाद किया। उन्होंनें कृषि की नवीन तकनीकियों एवं संस्थान के शोध कार्यों को सराहा तथा संस्थान के निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव एवं वैज्ञानिकों को बधाई दी। शहर विधायक अतुल भंसाली ने कहा कि मारवाड़ में बारिश कम होती है। काजरी ने कम पानी में अच्छी उपज देने वाली किस्में विकसित की है जिससे किसान लाभान्वित हुआ है। काजरी निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि के विकास एवं खेती से मुनाफा हो किसानों की आय बढ़ाने के लिए नवीन तकनीकियों नवीन किस्में, नवीन कृषि प्रणालियों सौर उर्जा के उपयोग तथा गावों में तकनीकी हस्तांतरण के द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के सफल प्रयास किये गये हैं। देश का प्रथम एग्रो वोल्टिक प्रणाली मॉडल यहां विकसित किया गया है, जिससे बिजली उत्पन्न होती है, फसल होती है एवं पानी संग्रहण भी होता है। संस्थानों को कृषि के शोध क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय योगदान के आईसीएआर के सात अवार्ड से नवाजा जा चुका है।

इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. एसपीएस तंवर, डॉ. पी. सान्तरा, डॉ. आर.के. कांकाणी, डॉ. पी.आर. मेघवाल, डॉ. आर.एन. कुमावत, पीएमई प्रभारी डॉ. पीसी महाराणा, डॉ. प्रदीप कुमार, वित्त नियंत्रक सुनीता आर्य उपस्थित रहे। वहीं राष्ट्रीय सचिव किसान मोर्चा शेलारम सारण भी उपस्थित थे।

पैंथर ने आबादी क्षेत्र में गाय को शिकार बनाया

कानोड़, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत अकोला के पीपलवास रोड जलेबी रोयण फले में आबादी क्षेत्र में घुसे पैंथर ने गाय पर हमला कर उसे अपना शिकार बनाया।

- **गनीमत रही कि पैंथर ने मकान के बाहर मौजूद बच्चे व किसी पुरुष पर हमला नहीं किया**
- **ग्रामीणों ने मौके पर एकत्र होकर लकड़ी व पत्थर मारकर पैंथर को भगाया**

गाय मालिक लोगर पुत्र वजेराम मीणा, निवासी पीपलवास ने बताया कि गाय उनके मकान के पास बने बाड़े में बंधी थी। दिन में करीब चार बजे पैंथर ने गाय पर हमला कर दिया, आवाज सुनकर उनका पुत्र बाहर आया और डर के मारे जोर-जोर से चिल्लाने लगा। रोने की आवाज सुनकर काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और लकड़ी व पत्थर मारकर पैंथर को मौके से भगाया। गनीमत रही कि पैंथर ने मकान के बाहर मौजूद बच्चे व किसी पुरुष पर हमला नहीं किया व समय रहते ग्रामीणों ने पैंथर को भगा दिया वरना जनहानि हो सकती थी। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी वन विभाग को दी, लेकिन देर शाम तक विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा।

पैंथर की लगातार पीपलवास क्षेत्र में मूवमेंट देखी जा रही है। बीते लंबे समय से कई बार पैंथर आबादी क्षेत्र में आकर जानवरों को शिकार बना चुका है। बीते एक सप्ताह में तीसरी घटना को अंजाम देते हुए एक गाय को मार दिया। चार दिन पूर्व भी पैंथर ने हमला करते हुए आबादी क्षेत्र एक बाड़े में बंधे दो बकरों को अपना शिकार बनाया था। बीते लंबे समय से वन विभाग अधिकारी व कर्मचारियों की क्षेत्र की घटनाओं पर कोई नजर नहीं दिख रही है।

ग्रामीणों में बताया कि लगातार विभाग अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद मौके पर कोई नहीं पहुंचता, जिससे उन्हें डर बना हुआ है। शुक्रवार को भी ग्रामीणों ने विभाग के स्थानीय वनपाल को दूरभाष पर बताया लेकिन देर शाम तक विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा।

पुष्कर के सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने रेतिले धोरों में मिट्टी की प्रतिमा बनाकर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी।

आयोग ने वर्ष 2025 में प्रस्तावित परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2025 के जनवरी से दिसंबर माह तक आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रस्तावित कार्यक्रम जारी किया गया है। कार्यक्रमानुसार जनवरी से दिसंबर माह तक 31 भर्तियों के अन्तर्गत कुल 162 परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इसमें आयोग द्वारा 210 प्रश्नपत्रों की परीक्षाओं का आयोजन 80 दिवसों में किया जाएगा।

आयोग की परीक्षाओं के संदर्भ में विगत समय से अभ्यर्थियों की अपेक्षा रही है कि संघ लोक सेवा आयोग की भांति राजस्थान लोक सेवा द्वारा भी भर्ती परीक्षाओं का कैलेण्डर जारी किया जाए ताकि परीक्षार्थियों को परीक्षा की तैयारी हेतु समुचित समय मिल सके। इसी के दृष्टिगत आयोग द्वारा परीक्षा की प्रस्तावित परीक्षा दिनांक विज्ञापन के साथ अथवा कुछ समय के बाद ही जारी करते हुए नियत कार्यक्रमानुसार परीक्षाओं के आयोजन का प्रयास किया जा रहा है। आयोग द्वारा वर्ष 2025 में प्रस्तावित परीक्षाओं के कार्यक्रम में 10 भर्ती परीक्षाओं की पूर्व में प्रस्तावित दिनांक में संशोधन एवं 7 अन्य भर्ती परीक्षाओं की प्रस्तावित परीक्षा तिथि को सम्मिलित किया गया है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 28 दिसम्बर, 2024

पौष मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 10:13 तक, शूल योग रात्रि 10:23 तक, गर करण दिन 3:00 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा रात्रि 3:33 से आरम्भ होगी। शुक्र कुम्भ राशि में रात्रि 11:40 पर प्रवेश करेगा। आज शनि प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:36 से 9:53 तक, चर 12:28 से 1:46 तक, लाभ-अमृत 1:46 से 4:20 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:38

मेष

पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

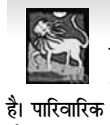

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 75 प्रभात कोटा, शनिवार 28 दिसम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

11:45 बजे निगमबोध घाट पर होगा पूर्व प्र.मंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार

डॉ. सिंह की पत्नी गुरुशरण कौर ने आम जनता के इस श्मशान का चयन किया है

- गृह मंत्रालय की ओर से निगमबोध घाट पर सरकारी अधिसूचना भेजी गई है, जिसके अनुसार सारी तैयारी रक्षा मंत्रालय करेगा।
- केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक फरवरी तक राजकीय शोक की घोषणा की। इस दौरान भारत में और दुनिया भर में सभी भारतीय दूतावासों में भारतीय झण्डा आधा झुका रहेगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अन्त्येष्टि शनिवार को पूर्वान्ह 11:45 बजे निगम बोध घाट पर होगी, जो आम लोगों का श्मशान है। यह निर्णय उनकी विधवा गुरुशरण कौर कोहली ने लिया है।

दाह संस्कार के बारे में संयुक्त गृह सचिव जी. पार्थसारथी द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है: ''रक्षा मंत्रालय से निवेदन है कि पूरे सैन्य सम्मान के साथ राजकीय अंतिम संस्कार के लिये व्यवस्था करे।''

सरकार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के इस निवेदन को स्वीकार नहीं किया है कि डॉ. मनमोहन सिंह का दाह संस्कार यमुना नदी के किनारे पर किसी विशिष्ट एवं एकांत स्थल पर किया जाये। सरकार सूत्रों ने कहा कि अंतिम संस्कार के स्थान का अंतिम निर्णय डॉ. मनमोहन सिंह की धर्मपत्नी गुरुशरण कौर कोहली की सलाह के अनुरुप लिया गया है।

परिवार डॉ. मनमोहन सिंह की पुत्री अमृत सिंह ने अमेरिका से आने का इंतजार कर रहा है। वे मानवाधिकार वकील तथा स्टैनफोर्ड लॉ स्कूल में प्रैक्टिस ऑफ लॉ की प्रोफेसर हैं।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा 1 जनवरी तक, सात दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। एक जनवरी तक की राजकीय शोक की अवधि में, सम्पूर्ण भारत के साथ ही, विदेश स्थित सभी भारतीय मिशनों, हाई कमीशनों राष्ट्रीय ध्वज, ध्वज-दंड की आधी ऊंचाई पर फहरेगा।

डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा। स्टेट फ्यूनरल वाले दिन केन्द्र सरकार के सभी कार्यालयों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के केन्द्रीय प्रतिष्ठानों में आधे दिन का अवकाश रहेगा।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल छब्बीस दिसम्बर, 2024 को नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज में हुई, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

डॉ. मनमोहन सिंह 1991 से 1996 के बीच देश के वित्तमंत्री रहे। आर्थिक सुधारों की व्यापक एवं विचक्षण नीति के शुभारम्भ में उनकी भूमिका सर्वविदित है। डॉ. सिंह 22 मई, 2004 को भारत के प्रधानमंत्री बने तथा 2014 तक, दो कार्यकालों के लिए, वे इस पद पर रहे।

डॉ. मनमोहन सिंह ने हमारे राष्ट्रीय जीवन पर अपनी विशिष्ट छाप छोडी है। उनके सदैव के लिए चले जाने से, राष्ट्र ने एक उत्कृष्ट राजनेता, एक सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री तथा एक विशिष्ट नेता खो दिया है।

मंत्रिमंडल ने सरकार तथा पूरे राष्ट्र की ओर से शोक संतप्त परिवार को हार्दिक शोक-संवेदनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

जयपुर, 27 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार को गहरा शोक व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि डॉ. सिंह ने छोटे से गांव एवं साधारण परिवार से निकलकर ज्ञान और समर्पण से देश को आर्थिक सुधारों के एक नए युग में प्रवेश कराया। वित्त मंत्रालय के सचिव, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, केन्द्रीय वित्त मंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में देश सेवा में अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। उनके विनम्र और सहज व्यक्तित्व ने सार्वजनिक जीवन में उन्हें विशेष स्थान दिलाया। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और उनके परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

- उन्होंने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह के विनम्र और सहज व्यक्तित्व ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में विशेष स्थान दिलाया।

क्या भाजपा स्व. प्र.मंत्री सिंह की स्मृतियों व सहानुभूति पर भी कब्जा कर लेगी?

शुक्रवार को दिन भर टी.वी. चैनल्स का मनमोहन सिंह की मृत्यु पर प्र.मंत्री मोदी का महिमा मण्डन करते हुए संवदेनापूर्ण शोक संदेश कई बार प्रसारित हुआ

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की मृत्यु हुए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए है कि भाजपा ने उनकी विरासत को हथियाने के प्रयास शुरु कर दिए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सुबह प्रधानमंत्री मोदी से बात की और कहा कि सरकार डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के लिए जमीन आवंटित करे और वहाँ उनकी समाधि बनाई जानी चाहिए। इसके बाद प्रधानमंत्री को एक पत्र भेजा गया जिसमें डॉ. सिंह की विरासत के बारे में बताया गया।

लेकिन शुक्रवार देर शाम गृह मंत्रालय ने यह प्रार्थना ठुकरा दी और कहा कि अंतिम संस्कार शनिवार को 11:45 बजे निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। चूंकि यह राजकीय ''फ्यूनरल'' है इसलिए सारी व्यवस्था रक्षा मंत्रालय करेगा।

शुक्रवार शाम कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में डॉ. मनमोहन सिंह को श्रृद्धांजलि दी गई ओर प्रस्ताव पारित किया गया।

- कई चैनल्स ने तो हवा बनानी शुरु कर दी है कि डॉ. मनमोहन सिंह को कांग्रेस पार्टी से वह समर्थन व सम्मान कभी नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।
- यह कहने का प्रयास किया गया है कि सोनिया गांधी का व्यवहार पूर्व प्र.मंत्री के साथ ठीक नहीं था तथा सोनिया गांधी ने डॉ. मनमोहन सिंह को दबाव में रखा, अपना एजेंडा पूरा करवाने के लिए।
- हालांकि, पहले भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री पर व्यंग करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी तथा प्र.मंत्री मोदी ने तो यह तक कहा था कि मनमोहन सिंह ऐसे व्यक्ति हैं, जो ''रेन कोट'' पहन कर ''शावर'' लेते हैं।
- और अब दिवंगत प्र.मंत्री के प्रति इतनी सहानुभूति कुछ अटपटी बात तो लगती है।
- डा. मनमोहन सिंह की धरोहर पर कब्जा करने के लिए, भाजपा यह अटपटी स्थिति भी सहने को तैयार है।
- क्या डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति इतनी संवेदना इसलिये भी है, क्योंकि वे ''गैर गांधी'' प्र.मंत्री थे।

मजे की बात यह है कि सरकार मनमोहन सिंह को लगातार कवरेज दे समर्थक प्रमुख टी.वी. चैनल डॉ.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में सत्तारूढ़ एन.डी.ए. गठबंधन में एक बार फिर खलबली मची

अमित शाह की चुप्पी, डिप्टी सी.एम. सिन्हा और गिर्राज सिंह के बयानों ने आग में घी डाला

- गृह मंत्री अमित शाह से पूछा गया था कि क्या भाजपा मुख्यमंत्री प्रोजैक्ट नहीं करने के महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करेगी बिहार में, तो शाह ने कुछ नहीं कहा। शाह की चुप्पी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं।
- बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा ने वाजपेयी के जयंती कार्यक्रम में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का सपना तभी साकार होग, जब बिहार में भाजपा की अपनी सरकार बनेगी।
- कुमार की चिंता को और बढ़ाते हुए केन्द्रीय मंत्री गिर्राज सिंह ने नीतीश को भारत रत्न देने की मांग की। इस बयान का मंतव्य यह लगाया जा रहा है कि यह कुमार को एन.डी.ए. के मार्गदर्शक मंडल में भेजने की चाल है।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। खोटे सिक्के की तरह बिहार के बारे में एक प्रश्न बार-बार सामने आ जाता है : क्या नीतीश कुमार एक बार फिर भाजपा को छोड़कर आर. जे. डी. के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल होंगे?

विधान सभा चुनाव एक साल के अंदर होने हैं, ऐसे में राज्य की राजनीति में फिर से उथल-पुथल शुरू हो गई है। नीतीश कुमार भविष्य में कौन सी राजनीतिक चालें चलेंगे, इस बात को लेकर अटकलबाजियां शुरू हो गई हैं और इसके पीछे कारण माना जा रहा है- गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी।

यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा, किसी एक नेता को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में प्रोजैक्ट नहीं करने के महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करेगी, गृह मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। इससे नीतीश कुमार के निष्ठावान समर्थक शंकित व चकित तो हो ही गए, साथ ही भाजपा नेता तथा दो में से एक उपमुख्यमंत्री, विजय कुमार सिन्हा ने इस चिंता को और बढ़ा दिया।

स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की सौवीं जयंती के समारोह में बोलते हुए, सिन्हा ने चेतावनी भरे संकेत दिए। उन्होंने कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री का सपना तभी पूरा होगा, जब भाजपा अपनी सरकार गठित करेगी। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने वक्तव्य से इस स्थिति को और बिगाड़ दिया, हालांकि वे नीतीश कुमार की प्रशंसा कर रहे थे और उनके लिए भारत रत्न की मांग कर रहे थे। सिंह के वक्तव्य का अर्थ यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चारागाह जमीन पर अतिक्रमण क्यों नहीं हटा

जयपुर, 27 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा जिले की लोटवाडा ग्राम पंचायत में चारागाह जमीन पर अतिक्रमण के मामले में, जिला कलेक्टर को शपथ पत्र पेश कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का ब्यौरा देने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने 10 जनवरी को कलेक्टर को हाजिर होकर इस संबंध में अपना जवाब देने को कहा है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश कैलाश चन्द की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि साल 2021 में इस भूमि से अतिक्रमियों को बेदखल करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन अधिकारियों ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। वहीं अदालत की ओर से रिपोर्ट मांगने पर 9 दुकानों को सील कर 2 दुकानों के अतिक्रमण को हटाया गया। अदालत ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि ग्राम पंचायत की ओर से अतिक्रमियों का संरक्षण किया जा रहा है, जबकि यह पंचायत का काम नहीं है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने अदालत को बताया कि गांव की करीब छह बीघा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने दौसा कलेक्टर से 10 जनवरी को हाजिर होकर जवाब देने को कहा।

मणिपुर के लोगों के हृदय में मधुर स्मृतियां हैं, पूर्व प्र.मंत्री स्व.डॉ. सिंह की

प्र.मंत्री के रूप में दस साल के कार्यकाल में डॉ. सिंह तीन बार मणिपुर गए थे

- 20 नवम्बर 2004 को वो पहली बार मणिपुर आए थे और असम रायफल्स के मुख्यालय रहे। काँगला फोर्ट को मणिपुर के सुर्पुद किया था। काँगला फोर्ट मणिपुर की जनता के लिए ऐतिहासिक एवं भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण रहा है।
- उसके दो साल बाद 2 दिसम्बर 2006 को सिंह कई विकास योजनाओं के साथ पुनः मणिपुर गए।
- तीसरी बार डॉ. सिंह 3 दिसम्बर 2011 को फिर मणिपुर पहुँचे और कई प्रोजैक्ट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ सोनिया गांधी भी थी।
- हिंसा से जूझ रही मणिपुर की जनता डॉ. सिंह को ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में याद करती है, जिसने उनकी बात सुनी और संकट के समय त्वरित कदम उठाए।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। तीन मई, 2023 से मणिपुर में लगातार चल रहे संघर्ष एवं जातीय तनावों के बीच, मणिपुर की जनता ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान उनके तीन महत्वपूर्ण दौरों के लिये उन्हें बड़ी आत्मीयता से याद किया। दूसरी तरफ, वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संघर्ष-त्रस्त राज्य के लोगों से जाकर मिलने से इंकार कर दिया है।

मनमोहन सिंह के उन दौरों ने मणिपुर को कष्ट देने वाले मुद्दों की विकटता को न केवल रेखांकित किया, बल्कि लम्बे समय से चली आ रही उनकी शिकायतों एवं परिवेदनाओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण मील के पत्थर स्थापित किये।

डॉ. मनमोहन सिंह का पहला दौरा ऐसे संकटपूर्ण समय पर हुआ था, जब राज्य जातीय हिंसा और उपद्रवों का सामना कर रहा था।

20 नवम्बर 2004 को उन्होंने काँगला फोर्ट को राज्य सरकार को सौंपे जाने का निरीक्षण किया था तथा इस प्रकार मणिपुरवासियों की दशकों से चली आ रही माँग को पूरा किया था। काँगला फोर्ट, जो ''असम राइफल्स'' का मुख्यालय रहा था, उपनिवेशीय तथा बाद के सैन्य प्रभुत्व का प्रतीक था। इसे राज्य की जनता को लौटाना अत्यधिक भावनात्मक एवं ऐतिहासिक महत्व का कार्य था।

उस अवसर पर आयोजित समारोह में डॉ. सिंह ने कहा था, ''यह हम सबके लिये एक ऐतिहासिक दिन है। काँगला फोर्ट परिसर को मणिपुर सरकार को सौंपने के पावन अवसर पर आपके बीच आकर मैं बहुत प्रसन्न हूँ।

उनका यह दौरा आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर्स एक्ट (ए.एफ.एस.पी.ए.) के विरोध की पृष्ठभूमि के विरूद्ध था। यह विरोध असम राइफल्स की हिरासत में टी. मनोरमा की दुखद मृत्यु के बाद और ज्यादा बढ़ गया था।

उनकी शिकायतों को स्वीकार करते हुये, डॉ. सिंह ने मणिपुर की जनता को आश्वस्त किया था कि सरकार उनकी परेशानियों और चिन्ताओं का समाधान करेगी। उन्होंने ए.एफ.एस.पी.ए. (उफ्सपा) के प्रावधानों की समीक्षा के लिये एक कमेटी के गठन की घोषणा कर दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

काफी मंथन व मशक्कत हुई, दिवंगत डॉ. सिंह के अंतिम क्रियाकर्म स्थल के चयन से पहले

इस स्थान पर, डॉ. सिंह के लिये स्मारक बनाने के प्रस्ताव पर भी शीर्ष स्तर पर चर्चा हुई

- जैसा कि विदित ही है, पूर्व प्र.मंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी व राजीव गांधी का दाह संस्कार यमुना के तट पर राजघाट में हुआ था।
- कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्र.मंत्री मोदी से विधिवत् आग्रह किया कि डॉ. मनमोहन सिंह के लिये अलग से स्मारक बनाया जाए, जिससे डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत के राजनीतिक व इकोनॉमिक जीवन पर जो अमिट छाप छोड़ी है, वह सदा स्मरणीय रहे।
- राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आग्रह किया, डॉ. मनमोहन सिंह के लिये अलग से स्मारक बनवाने के लिये।
- दूसरी ओर प्र.मंत्री मोदी के डॉ. मनमोहन सिंह के बारे में रिकॉर्डेड क्लिप दिन भर टी.वी. पर दिखाये गये तथा काफी मंथन हुआ, इस बात पर कि उनका दाह संस्कार कहाँ होना चाहिए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। शुक्रवार को यहाँ कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) की मीटिंग हुई, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रृंद्धाजलि दी गई। हालांकि, तब तक यह तय नहीं था कि उनका अंतिम संस्कार कहाँ होगा, क्योंकि तब तक डॉ. सिंह के परिवार और सरकार के बीच सहमति नहीं बनी थी और चर्चा थी कि क्रियाकर्म राजघाट पर हो सकता हे।

पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार दिल्ली में एक निर्धारित स्थल पर होता आया है। कई पूर्व प्रधानमंत्रियों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया गया था। यह स्मारक महात्मा गांधी को समर्पित है।

डॉ. सिंह का शव उनके आवास 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग में रखा गया है। शनिवार को सुबह उनके अंतिम अवशेष ए.आई.सी.सी. मुख्यालय ले जाए जाएंगे, जहाँ आम जनता व कांग्रेस कार्यकर्ता 8:30 बजे से 9:30 के बीच उन्हें श्रृद्धांजलि देंगे। इसके बाद उनकी अंतिम यात्रा शुरु होगी और उन्हें राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार स्थल ले जाया जाएगा। उनकी छोटी पुत्री शुक्रवार देर रात दिल्ली पहुँच गईं। चूंकि अंतिम संस्कार में परिजन का होना आवश्यक है, इसीलिए उनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जा रहा है। हालांकि, उनका निधन गुरुवार रात को ही हो गया था।

सरकार ने शुक्रवार के सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द कर दिए। कांग्रेस ने गुरुवार रात ही बेलगाम मीटिंग रद्द कर दी थी। सभी पार्टी नेता डॉ. सिंह को श्रृद्धांजलि देने दिल्ली पहुँच गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी उन्हें श्रृद्धांजलि देने उनके घर गए।

सिंह के शव को काँच के ताबूत में रखा गया है। तिरंगे में लिपटे शव को फूलों से सजाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी भी डॉ. सिंह के आवास पर गए और उन्हें श्रृद्धांजलि दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधवा ने जमीन हड़पने का आरोप लगाया

जयपुर। जमीनी विवाद के चलते हुए, झगड़े बाद एक विधवा महिला बेघर हो गई। महिला के पास न रहने के लिए छत है और न ही खाने के लिए दाने। इस मामले में पुलिस भी पीड़िता की सुनवाई नहीं कर रही है। मामला प्रागपुरा थाना इलाके का है। हालांकि विवाद एक परिवार के बीच का ही है। इस मामले को लेकर पाड़िता ने मीडिया से रुबरु होते हुए कहा कि अगर हमें न्याय नहीं मिला और संपत्ति में अधिकार नहीं दिया गया तो अपनी बहन संतोष देवी सैनी, बच्चों और अन्य रिश्तेदारों व रामनिवास वर्मा के साथ मुख्यमंत्री आवास के सामने आमरण अनशन करूंगी।

- न्याय नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री आवास के बाहर आमरण अनशन की घोषणा की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में 7 दिन का शोक

जयपुर, 27दिसंबर। राज्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। स्वर्गीय मनमोहन सिंह के सम्मान में राज्य में 26 दिसंबर, 2024 से 1 जनवरी 2025तक सात दिन का राजकीय शोक रहेगा। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे तथा किसी भी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा।

- राष्ट्रीयध्वज आधे झुके रहेंगे। अधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हो गया। भारत सरकार द्वारा स्व. डॉ. मनमोहन सिंह को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। अंतिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की दर्दनाक मौत

श्रीडूंगरगढ़ के बिग्गा गांव के पास व डूंगरपुर के चौरासी थाना क्षेत्र में हुये हादसे

बीकानेर में ट्रक और कंटेनर की टक्कर में दो लोगों की मौत

- युवक के शव को क्षतिग्रस्त गाड़ियों की बॉडी काटकर बाहर निकालना पड़ा
- सुबह कोहरे के कारण मोड़ पर दोनों वाहनों के ड्राइवर एक-दूसरे को देख नहीं सके और भिड़ गए
- कंटेनर में टाइल्स भरी हुई थी, जबकि ट्रक में मूंगफली भरी थी

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ से जयपुर की तरफ बिग्गा गांव के पास शुक्रवार सुबह एक हादसा हो गया। यहां ट्रक और कंटेनर दोनों आमने-सामने भिड़ गए, जिससे कंटेनर के केबिन में बैठे दो लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद आपणो गांव सेवा संस्थान के सदस्य मौके पर पहुंचे। पुलिस भी मौके पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर शवों को बाहर निकाला। शव इतनी बुरी तरह से फंस गए कि कटर मंगवाकर क्षतिग्रस्त गाड़ियों की बॉडी काटकर शव बाहर निकाला गया। दोनों वाहनों में भारी मात्रा में माल लोड था। कंटेनर में टाइल्स भरी हुई थी, जबकि ट्रक में मूंगफली भरी थी।

जानकारी के अनुसार सुबह कोहरे के कारण मोड़ पर दोनों वाहनों के ड्राइवर एक-दूसरे को देख नहीं सके और भिड़ गए। टक्कर से जोरदार धमाके की आवाज हुई, जिससे आसपास की दुकानों से लोग भागकर मौके पर पहुंच गए। इसी रास्ते पर चलने वाली कई गाड़ियां रुक गई। दोनों वाहनों की टक्कर की बाद काफी सामान भी सड़क पर बिखर गया।

श्रीडूंगरगढ़ पुलिस थाने के एएसआई रविंद्र सिंह ने बताया कि कंटेनर के केबिन में बैठे ड्राइवर और एक अन्य की मौत हुई है। एक का नाम मांगीराम पुत्र दलाराम है। वो हीरानगर सोभणा, जैतमाल गुढ़ामलानी सियागो की ढाणी सिणधरी, बालोतरा का रहने वाला है। दूसरा साथी धर्माराम पुत्र प्रभुराम जाट निवासी लाखासर चौहटन का शव कई जगह से काट-काटकर बाहर निकाला गया। वहीं कंटेनर में सवार एक अन्य युवक इशाक पुत्र कासम खान निवासी रतनगढ़ चूरू घायल है। हादसे के समय कंटेनर जयपुर से बीकानेर की ओर आ रहा था, जबकि ट्रक बीकानेर से जयपुर की ओर जा रहा था।

जीप ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी

हादसे में दो युवकों की मौत हो गई

- डूंगरपुर के चौरासी थाना क्षेत्र के गैंजी घाटा की घटना

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र में बीती रात को एक जीप ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने जांच शुरू की। वहीं शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सुपुर्द किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चौरासी थाना क्षेत्र के भिंडा गांव बड़ाकला फला निवासी बंशीलाल पुत्र मनजी परमार ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि उसका पुत्र कल्पेश परमार (21) अपने निजी काम से गुरुवार को मोटरसाइकिल से डूंगरपुर गया था। शाम को वापस घर लौटते समय उसके साथ रिश्तेदार महेशचंद्र कोटेड पीछे बैठे हुए थे। दोनों डूंगरपुर से सीमलवाड़ा मुख्य मार्ग पर मोटरसाइकिल पर साथ आ रहे थे। गैजी घाटा के पास रामसागडा तिराहा पर एक मैक्स जीप तेज स्पीड से सीमलवाड़ा की तरफ से आ रही थी। जिसने सामने आकर मेरे बेटे की मोटरसाइकिल को जोर से टक्कर मार दी। उस समय मेरा भाई जीवा परमार और चंदुलाल परमार दूसरी मोटरसाइकिल पर पीछे आ रहे थे। उन्होंने मेरे बेटे कल्पेश और महेशचंद्र को गंभीर घायल अवस्था में गुरुवार रात को जिला अस्पताल लेकर आए, जहां डाक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दोनों के शव रात को मोर्चरी में रखवाए, जहां पर शुक्रवार सुबह पुलिस ने परिजन की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा। पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया है।

ब्लैकमेल कर युवती से दुष्कर्म

नोखा, (निसं)। थाने में एक युवती के साथ रेप का मामला दर्ज हुआ है। थाने में पीड़िता के पिता ने मामला दर्ज कराया है। जिसमें बताया कि वह थाना क्षेत्र मे एक गांव में रहता है। सुबह-शाम उसे काम के चलते गांव से बाहर जाना पड़ता था। इस दौरान उसकी गैर मौजूदगी में कभी-कभी बेटी भी चली जाया करती थी। इस दौरान कैलाश बिश्नोई उससे बातचीत करने लगा। इसके बाद आरोपी ने जान पहचान बढ़ाकर उसे नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील फोटो खींच लिए। इसके बाद उसे धमकी देते हुए एक मोबाइल दे दिया। इसके बाद उसे डरा-धमकाकर कई बार रेप किया। कैलाश उसे धमकाकर अपने साथ ले गया। जब खोजबीन की तो पता चला कि वह कैलाश के घर पर है। जब वे आरोपी के घर पहुंचे तो बेटी काफी डरी हुई थी। इसके बाद उसने आपबीती सुनाई और फोटो वायरल करने की धमकी के बारे में बताया।

सांभर में जमकर हुई मावठ

सांभरझील, (निसं)। यहां मावठ की पहली बारिश में ही सफाई व्यवस्था की पोल खुल कर सामने आ गई। गुरुवार की देर रात्रि से सांभर में रुक रुक कर बारिश का दौर शुक्रवार की शाम तक चला। बिना मापदंडों के गलत तरीके से बनाई गई सड़क का ढलान एक तरफ होने के कारण अंबेडकर भवन के आगे चारों ओर पानी बारिश का जमा हो गया। इसी प्रकार अनेक निचले इलाकों में भी बारिश के कारण बहने वाली सड़कों से गंदगी आगे नकाशा चौक तक पहुंच गई। हमेशा बारिश में इसी प्रकार के हालात यहां आम बात है लेकिन सबसे ज्यादा दुकानदारों की स्थिति सिंधी बाजार, गोला बाजार, धान मंडी के दुकानदारों की होती है जहां कुछ कन्जेस्टेड इलाकों के कारण कीचड़ जमा रहता है। अनेक नालों पर से फेरो कवर टूटे पड़े हैं और सुबह अंधेरा होने के कारण लोगों के गिरने का भी भय रहता है।

RASHTRIYA CHEMICALS AND FERTILIZERS LIMITED
(A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)
Corp. Office,: Priyadarshini, E.E. Highway, Sion, Mumbai 400 022.
CIN: L24110MH1978GOI020185.
A NAVRATNA COMPANY
(Area Office Address :RCF Ltd, 40, Jadhon Nager 'B', Durgapura, Jaipur –PIN 302018)
Tel. No 0141- 2720334, 2554597, 2554979 mail ID rcfrajasthan@gmail.com

In pursuance to the order No. S.O. 2900(E) dated 24.10.2015 and its amendment dated 30.10.2017 issued by Department of Agriculture, Co-Operation and farmer's welfare, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare GOI. RCF Ltd here by notifies that RCF Ltd intends to sell 100% water soluble mixture of fertilizer as per specification given. NPK 19:19:19, Moisture Percent by weight, max-0.5%,N(T) min-19%, (NO3-N max-4%, NH4-N min-4.5%, Urea N max-10.5%), WP P2O5 min-19%, WS K2O min-19%, Na as NACL max-0.5%, Insoluble matter in H2O max -0.5%, Lead, Cadmium & Arsenic max-Not traceable. Supply and sales of above Sujala WSF19:19:19 grade will be done after 30 days of intimation.

State Incharge (Rajasthan)

Let us grow together

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/अधि.अभि. एवं त.स.नि.अ.–I/2024–25/डी–95 दिनांक : 27.12.2024

बिड आमंत्रण सूचना

बिड संख्या - अ.अ. एवं त.स.नि.अ.-I/30/2024-25

जविप्रा द्वारा निम्नलिखित कार्यो के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र. सं.	यूबीएन नं.	कार्य राशि (लाखों में)	कार्य की प्रकृति	अंतिम तिथि
1	JDA2425WSRC00434	121.20	तारबंदी, दीवार एवं डिमार्केशन कार्य	07.01.2025

निविदा का विस्तृत विवरण उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जविप्रा की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

अधि. अभि. एवं
तक.सहा.निदे.अभि.-प्रथम

राज.संवाद/सी/24/9671

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te.Pho. No 02979-283624, E-mail.: eephedscr@gmail.com
क्रमांक-अ.अ./जन स्वा./साँ/निविदा/2024-25/1500 दिनांकः- 20/12/24

ई-निविदा सुचना संख्या- 16/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Work of installation of earthing on panels of pump houses, tube wells etc, lights at various capuses, water supply installations and other accessories. (ANNUAL RATE CONTRACT)
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 01 रु. 15.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	20.12.2024 से 07.01.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	08.01.2025 को 11.00 बजे से
UBN No	PHE2425WSRC07455

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

DIPR/C/13530/2024

सांसद अर्जुनराम मेघवाल ने मीरा बाई से जुड़े बयान पर माफी मांगी

- मां मीरा के अपमान के विषय में नहीं सोच सकता, किसी को ठेस पहुंची तो माफी मांगता हूं : मेघवाल

बीकानेर, (निसं)। केंद्रीय कानून मंत्री और बीकानेर के सांसद अर्जुनराम मेघवाल ने मीरा बाई से जुड़े बयान पर विवाद पर कहा है कि अगर किसी को ठेस पहुंची है तो माफी मांगता हूं। सोशल मीडिया पर मेघवाल के बयान के बाद उनका विरोध शुरू हो गया था। देशभर में उनके विरोध से जुड़ा हैंडल ट्रेंड करने के बाद खुद मेघवाल सोशल मीडिया पर सामने आए और स्पष्ट रूप से माफी मांग ली।

जानकारी के अनुसार पिछले दिनों सीकर के पीपराली क्षेत्र में अर्जुनराम मेघवाल ने मीरा बाई पर विवादित बयान दिया था। मीरा बाई पर उनके दिये इस बयान के बाद मीरा के भक्तों और अनुयायियों ने विरोध किया। सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ जमकर टिप्पणी की गई। विरोध में हैशटेग शुरू किया गया, जो देशभर में टॉप ट्रेंड रहा। गुरुवार देर रात मेघवाल ने सोशल मीडिया पर ही इसका जवाब भी दिया। मेघवाल ने लिखा कि साधना के शिखर पर विराजमान भक्त शिरोमणी मां मीरा के प्रति मेरे मन में अगाध श्रद्धा एवं आस्था है। मेरे किन्हीं शब्दों से मां मीरा के प्रति भक्ति व श्रद्धा भाव रखने वाले श्रद्धालुओं के मन में किसी भी प्रकार से ठेस पहुंची है तो मैं खेद व्यक्त करते हुए माफी मांगता हूं। मेघवाल ने कहा कि भारतीय भक्ति परंपरा में मां मीरा का स्थान भक्त शिरोमणी का रहा है।

मां मीरा ने कृष्ण भक्ति के माध्यम से सम्पूर्ण देश में जनमानस के बीच भक्ति भाव का संचार किया है। मेरा जीवन बचपन से ही मां मीरा के आदर्शों से प्रेरित रहा है। कई बार मंच पर केंद्रीय मंत्री रहते हुए भी अर्जुनराम मेघवाल मीरा के भजन गाते रहे हैं। उन्होंने अपने बयान में भी इसका जिक्र किया है। मेघवाल ने कहा कि मेरे जीवन में मीरा का बड़ा योगदान रहा है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PWD CIRCLE JAIASLMER
No. SE/JSM-I/2024-25/1461 Date: 23.12.2024

NOTICE INVITING BID
NIT No. 05 Year 2024-25

Bids for Rate Contract of Road Works are invited from interested bidders 6.00 PM of 31.12.2024 to 15.01.2025 upto Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, and htpp://sppp.raj.nic.in) of the state. The approcimate value of the procurement is Rs 259.05 Lacs
UBN No. As under
1. PWD2425WSRC12542
2. PWD2425WSRC12543

(H.R. Bishnoi)
Superintending Engineer
PWD Circle Jaisalmer

DIPR/C/13624/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद धौलपुर
SEWDSC.DHOLPUR @RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक-पीएमकेएसवाई-2.0/निविदा/2024-25/1468-72 दिनांक-19.12.2024

NOTICE INVITING BID
NIB No 09 YEAR 2024-25

Bids for NRM Works (Anicut, PT,MPT, PCD, ECD etc. under PMKSY 2.0 Project Area in Block Baseri of Distt. Dholpur of estimated value INR 88.68 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 20-12-2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.
UBN WSC2425WSOB00903
NIB NO-WSC2425A0450

(लाखन सिंह मीना)
अधीक्षण अभियन्ता
एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर
जिला परिषद धौलपुर

DIPR/C/13510/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te.Pho. No 02979-283624, E-mail.: eephedscr@gmail.com
क्रमांक-अ.अ./जन स्वा./साँ/निविदा/2024-25/1485 दिनांकः- 20/12/24

ई-निविदा सुचना संख्या- 15/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	CONSTRUCTION AND COMMISSIONING OF ALL TYPE OF TUBE WELLS (DTH, COMBINATION AND ROTARY) WITH SUPPLY AND INSTALLATION OF SUBMERSIBLE PUMP SETS INCLUDING 2 YEARS DEFECT LIABILITY PERIOD IN DIVISION SANCHORE. (ANNUAL RATE CONTRACT)
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 01 रु. 120.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	25.12.2024 से 16.01.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	17.01.2025 को 11.00 बजे से
UBN No	PHE2425WSRC07454

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

DIPR/C/13518/2024

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग,
उत्पादन वितरण एवं राजस्व खण्ड तृतीय बीकानेर-334001
Email: eepdr3.bik.phed@rajasthan.gov.in, Phone: 0151-2226469

ई-बोली सूचना संख्याः- 12/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अद्योहस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग द्वारा ई-वोली आमंत्रित की जाती है। यह ई-बोली "Website:-www.sppp.rajasthan.nic.in" पर देखी जा सकती है तथा ई-बोली प्रपत्र "Website:-http://eproc.rajasthan.gov.in" से दिनांक 19-01-2025 को 18:00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बोली डालने की अवधि दिनांक 19-01-2025 को 18:00 बजे तक रहेगी, उक्त ई-बोली दिनांक 20-01-2025 को 13:00 बजे उपस्थित बोलीदाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ऑनलाईन खोली जायेगी।
RPWA 100 की समस्त शर्ते लागू होगी। इस ई-बोली सूचना में कुल 01 कार्य है, इस कार्य की कुल लागत राशि 119.95 लाख है।
1. BID No-12/2024-25
UBN No- PHE2425WSRC07361

जल सीमित है, इसकी बचत करें

अधिशासी अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग उ. वि.
एवं राजस्व खंड तृतीय बीकानेर

DIPR/C/13566/2024

करंट लगने से किसान की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में करंट लगने से किसान की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षेत्र फांदा निवासी लोगर (49) पुत्र मावजी गमेती की करंट लगने से झुलसने पर मौत हो गई। नील गायों के खेत में आने से लोगर 26 दिसंबर रात में खेत पर रखवाली करने गया था, जहां रात में विद्युत तार टूटा पड़ा होने से छू जाने पर करंट लगने से वह झुलस गया। इसको देख परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर हैड कांस्टेबल प्रीतमसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

शराब पार्टी के दौरान हुई कहासुनी में युवक की चाकू मारकर हत्या

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा थाना इलाके के ट्रांसपोर्ट नगर में शराब पार्टी के दौरान दो दोस्तों के बीच कहासुनी हो गई। कहासुनी इतनी बढ़ गई कि दो जनों ने मिलकर युवक परणजीत पर चाकू से हमला कर दिया, जिसे उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना के 12 घंटे के अंदर युवक की हत्या के मामले मे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि मृतक परणजीत सिंह असम के कामरूप का रहने वाला है। वह कुछ महिने पहले कोटा आया था जिसके साथ आसाम के कुछ अन्य युवक भी आये थे। शहर एसपी ने बताया कि परणजीत सिटी पार्क में कुक का काम करता था जो अपने अन्य साथियों के साथ ट्रांसपोर्ट नगर मे किराये से रहता था। एसपी ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर में परणजीत विश्वजीत के बीच शराब पार्टी के दौरान कहासुनी होने पर विश्वजीत ने परणजीत को नीचे गिरा दिया और इतने में इन्द्रजीत चाकू लेकर आया और परणजीत की पीठ पर चाकू से वार कर दिया।

हमले में परणजीत की मौत हो गई। शहर एसपी ने बताया कि चाकूबाजी में हत्या का मामला सामने आने पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा एवं अनंतपुरा थानाधिकारी भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुऐ कार्यवाही करते हुए मेडिकल कॉलेज में भर्ती विश्वजीत को थाने लाकर पूछताछ की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक अन्य आरोपी इन्द्रजीत को जो कोटा से बाहर भागने की फिराक में झालावाड़ रोड बाइपास खड़ा था जिसे टीम ने पहुंच कर गिरफ्तार कर लिया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि मृतक परणजीत ने घटना से एक दिन पहले आरोपियों के दोस्त से भी गाली-गलौच की थी मामले में पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि पार्टी के दौरान परणजीत को उल्हाना दिया तो उसने हमारे साथ भी गाली-गलौच की जिस पर उन्होंने उस पर चाकू से वार कर दिया।

कार्यालय नगर पालिका निवाई
क्रमांकः–न.पा.नि. /निर्माण/2024–25/8542 दिनांकः– 24.12.2024

ई. निविदा सूचना संख्या :– 18/2024–2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत/ स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत/ अन्य विभागो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है :–

निविदा का कार्य	: (कुल 05 कार्य)
Unique Bid Number	: DLB2425WSOB13798, 796, 807, 808, 809
निविदा की कुल लागत	: Rs 179.36 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
निविदा जारी करने की दिनाक	: दिनांक 27.12.2024 को 13:00 बजे से
निविदा दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	: दिनांक 27.12.2024 को 13:00 बजे से
ऑन लाईन निविदा जमा कराने की अन्तिम दिनांक	: दिनांक 08.01.2025 सांय 18:00 बजे तक
भौतिक रूप से कार्यालय में निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की दिनांक	: दिनांक 09.01.2025 को अपराह 15:00 बजे तक नगर पालिका निवाई कार्यालय में
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	: दिनांक 10.01.2025 को अपराह 12.00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	: Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	: 120 Day

अध्यक्ष नगर पालिका निवाई — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका निवाई

राज.संवाद/सी/24/9620

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड जालोर
क्रमांकः अअ/जा/2024-25/ दिनांकः

निविदा सूचना संख्याः 16 वर्ष 2024-2025
NIB No. PWD2425A3379

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 44.34 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	24 दिसम्बर 2024, 9:30 बजे से 02 जनवरी 2025, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
UBN No PWD2425WS0B12403

(आर.के.सिंघारिया)
अधिशाषी अभियन्ता
सा. नि. वि. खण्ड जालोर

DIPR/C/13572/2024

घुसपैठिये का शव पाक सैन्य अधिकारियों को सौंपा

बॉर्डर पार करते समय बीएसएफ ने घुसपैठिये को मार गिराया था

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के गांव एक एक्स के पास गत रात बीएसएफ जवानों की गोली से मारे गए पाकिस्तानी घुसपैठिये का शव पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों ने ले लिया है। सुबह गांव एक एक्स के पास बीएसएफ अधिकारियों और पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों के बीच फ्लैग मीटिंग में पाकिस्तानी अधिकारी शव लेने पर सहमत हो गए। कुछ देर चली बातचीत के बाद पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों ने शव ले लिया। बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट आलोक कुमार इस फ्लैग मीटिंग में शामिल हुए।

बीएसएफ अधिकारियों ने घुसपैठिये के पास मिली चीजें सबूत के रूप में पाकिस्तानी अधिकारियों के सामने पेश की। घुसपैठिये के पास 1770 पाकिस्तानी रुपए, पाकिस्तानी सिगरेट और लाइटर, नसवार की पुड़िया, दवा की गोली मिली थी। पाकिस्तान रिपब्लिक का जारी किया हुआ परिचय पत्र जिस पर उर्दू घुसपैठिये का नाम अब्दुल गफ्फार अंकित है। इसके साथ ही घुसपैठिये के पाकिस्तान के मिंचिनाबाद का रहने वाला होने की जानकारी अंकित है। वहीं घुसपैठिये का पहनावा भी पाकिस्तानी इलाके का है। इन सभी सबूतों के आधार पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने घुसपैठिये का शव ले लिया। एसपी गौरव यादव ने पुष्टि करते हुए कहा कि घुसपैठिए का शव पाकिस्तानी अधिकारियों ने ले लिया है। वहीं बीएसएफ अधिकारियों ने भी घुसपैठिए का शव पाकिस्तान की ओर से ले लिए जाने की पुष्टि की।

जिले के केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र में गांव एक एक्स के पास 24 दिसंबर रात में बीएसएफ को एक व्यक्ति के भारतीय सीमा में घुसने की जानकारी मिली थी। इस पर गश्ती दल ने मौके पर पहुंचकर घुसपैठिये को ललकारा और गोली मार दी। इससे घुसपैठिये की मौत हो गई। बीएसएफ को जीरो लाइन के पिलर नंबर 552 और 553 के बीच से भारतीय सीमा में तारबंदी पर चढ़ ने का प्रयास करता व्यक्ति नजर आया। बीएसएफ के ललकारने पर भी जब वह नहीं रुका तो उसे बीएसएफ जवानों ने गोली मार दी। इससे वह तारबंदी के पास ही ढेर हो गया। इससे पहले हुई फ्लैग मीटिंग में तमाम सबूत पेश करने के बाद भी पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों ने घुसपैठिए का शव लेने से इनकार कर दिया था।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219, E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for construction of 200 mm dia Tube well and P,L,J of pipeline under phed division karauli are invited from interested bidders up to 06.01.2024 other Particulars of the bid may be visited on the sppp.raj.nic.in website.
NIB CODE:-PHE2425A3548

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	99/2024-25	PHE2425WSOB07473	6	104/2024-25	PHE2425WSOB07478
2	100/2024-25	PHE2425WSOB07474	7	105/2024-25	PHE2425WSOB07479
3	101/2024-25	PHE2425WSOB07475	8	106/2024-25	PHE2425WSOB07480
4	102/2024-25	PHE2425WSOB07476	9	107/2024-25	PHE2425WSOB07481
5	103/2024-25	PHE2425WSOB07477	10	108/2024-25	PHE2425WSOB07482
01	Total work			10	
02	Total Estimate Cost			125.46 Lac	
03	Bid submission end date			06.01.2025 Up to 06.00 PM	
04	Bid opening date			07.01.2025 at 3.00 PM	

(Prahlad Meena)
Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Division Karauli

DIPR/C/13588/2024

Office of The Block Development Officer Panchayat Samiti Sayla (Jalore)
No. 590 **Notice of Inviting Bid** Date-23.12.2024

Bid for Rate contract of Work Including Garbage Collection and Separation from Households and Commercial Establishments, Road and Drain cleaning, Cleaning of CSCs in all villages of all Gram Panchayat of Panchayat Samiti Sayla (Jalore) and Other Construction Works as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	Approximate value of the procurement	UBIN	E-Procurement Tender ID
Alasan	09.11 Lakh	ZJR2425SSRC00991	2024 PRD 439506_1
Bairath	09.15 Lakh	ZJR2425SSRC00992	2024 PRD 439511_1
Bishangarh	10.34 Lakh	ZJR2425SLRC00993	2024 PRD 439514_1
Chorau	10.18 Lakh	ZJR2425SLRC00994	2024 PRD 439518_1
Dadal	07.65 Lakh	ZJR2425SSRC00995	2024 PRD 439521_1
Komta	13.61 Lakh	ZJR2425SLRC00996	2024 PRD 439524_1
Mandwla	14.07 Lakh	ZJR2425SLRC00997	2024 PRD 439526_1
Menglwa	07.83 Lakh	ZJR2425SSRC00998	2024 PRD 439531_1
Otwala	14.39 Lakh	ZJR2425SLRC00999	2024 PRD 439528_1
Panthedi	10.30 Lakh	ZJR2425SLRC01000	2024 PRD 439533_1
Surana	09.44 Lakh	ZJR2425SSRC01001	2024 PRD 439536_1
Tikhi	11.70 Lakh	ZJR2425SLRC01002	2024 PRD 439537_1
Tiloda	07.49 Lakh	ZJR2425SSRC01003	2024 PRD 439578_1
Thalwad	10.78 Lakh	ZJR2425SLRC01004	2024 PRD 439586_1
Toora	09.45 Lakh	ZJR2425SSRC01005	2024 PRD 439598_1
Ummedabad	19.93 Lakh	ZJR2425SLRC01006	2024 PRD 439611_1
Veerana	06.72 Lakh	ZJR2425SSRC01007	2024 PRD 439623_1
Vishala	07.19 Lakh	ZJR2425SSRC01008	2024 PRD 439633_1
Construction Work (Work Tender)			
Anwloj	10.00 Lakh	ZJR2425WSOB00949	2024 PRD 439363_1
	10.00 Lakh	ZJR2425WSOB00950	2024 PRD 439370_1
	10.00 Lakh	ZJR2425WSOB00951	2024 PRD 439389_1
	04.99 Lakh	ZJR2425WSOB00952	2024 PRD 439395_1
Otwala	04.99 Lakh	ZJR2425WSOB00944	2024 PRD 439215_1
	10.00 Lakh	ZJR2425WSOB00945	2024 PRD 439209_1
	04.99 Lakh	ZJR2425WSOB00946	2024 PRD 439202_1
	10.00 Lakh	ZJR2425WSOB00947	2024 PRD 439217_1
	09.99 Lakh	ZJR2425WSOB00948	2024 PRD 439228_1

DIPR/C/13578/2024 Block Development Officer Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

संक्षिप्त

दिव्यांगों की सुविधाओं का निरीक्षण

कोटा, (निसं)। आयुक्त, विशेष योग्यजन उमाशंकर शर्मा ने कोटा प्रवास के दौरान कोटा जंक्शन, संजय नगर सार्वजनिक बस डिपो, कोटा चम्बल रिवर फ्रन्ट, सिनेमा हॉल एवं विभिन्न महाविद्यालयों का निरीक्षण कर दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। आयुक्त, विशेष योग्यजन ने कोटा जंक्शन पर निरीक्षण के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कोटा रेल्वे स्टेशन पर दिव्यांगजनों के लिए आधारभूत सुविधाओं की कमी देखकर अधिकारियों को दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में सुधार के निर्देश दिए। साथ ही, अन्य स्थानों पर निरीक्षण के दौरान कमियाँ पाए जाने पर सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं में सुधार के निर्देश दिए।

भागवत ज्ञान की बही गंगा

रामगंजमंडी, (निसं) शहर में आनन्द विहार विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में दूसरे दिन के कथा के मुख्य दृष्टांत मनु शत्रु पा,कपिल अवतरण, महा सति अनुसूया के सतीत्व की कथा, दक्ष राज प्रजापति का अहंकार मर्दन , शिव उमा विवाह व भारत रहेसाथ ही कथा वाचक पं.सुरेश बिहारी नागर ने कहा कि "धर्मो रक्षित रक्षितः"धर्म की रक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जैसे भी हो, जब भी हो,जिस प्रकार भी हो अपने धर्म व संस्कृति की रक्षा करना चाहिए।धर्म की रक्षा करना उसका नैतिक कर्तव्य है।राजा दक्ष ने उच्च पद प्राप्त कर भगवान शिव का अपमान किया।जिससे शिव के गणों ने उसके यज्ञ को तहस नहस कर दिया।अतः व्यक्ति को उच्च पद प्राप्त कर अहंकार नहीं करना चाहिए।अहंकार से उसका सर्वनाश निश्चित ही है।कथा का दूसरे दिन आस पास के गांवों से भी श्रद्धालु उमड़े।

पुरुष क्रिकेट का आयोजन

कोटा, (निसं)। भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं युवा मामलों व खेल प्रकोष्ठ द्वारा जारी पत्र के अनुसार सत्र 2024-25 अन्तर्गत पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का कोटा स्थित जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के चेअरपर्सन आर.डी. मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं, किकेट स्टेडियम की उपलब्धता के चलते जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना के दूसरे सत्र में ही राष्ट्रीय स्तर की पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन का अवसर मिलना विश्वविद्यालय व क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं के लिए गौरव का विषय है

श्मशान से अस्थियां हुई चोरी

कोटा, (निसं)। शहर के नांता थाना इलाके कगनी नगर में डिस्क्रेट्स के पास शमशान घाट से अस्थि चोरी का मामला सामने आया है। परिवार के सदस्य तीये की रस्म के लिए अस्थियों को एकत्रित करने शमशान गए थे तब अस्थियां गायब मिली। शमशान के अंदर किसी अज्ञात व्यक्ति ने जादू-टोना किया हुआ था। परिजनों ने इसकी सूचना थाने में दी। मृतक के बड़े भाई महावीर सैनी ने बताया कि छोटा भाई अनिल पिछले कई दिनों से बीमार चल रहा था। 25 दिसंबर को भाई अनिल (21) की मौत हुई थी। 25 दिसंबर को उसका अंतिम संस्कार किया। तीसरे दिन परिवार के सदस्य शमशान घाट अस्थियां एकत्रित करने पहुंचे तो जादू-टोना होना मिला था। अस्थियों से भी छेड़छाड़ की थी। उसके सिर की कपाल गायब थी। शमशान में किसी प्रकार की क्रिया की गई हुई थी। यहां तीन जगह गड्ढे खोदे हुए थे। एक में शराब का क्वार्टर, दूसरे में नारियल, तीसरे गड्ढे में काली हांडी के अंदर मिठाई, मांस के टुकड़े, नींबू, सुई पड़ी हुई थी।

भामशाह ने एसडीपी डोनेटा की

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता का सेवा भाव सर्दी और बरसात में भी कम नहीं होता और जुनून के साथ कार्य को गति दी जा रही है। संयोगवश सतीश शर्मा को कॉल किया और वो फौरन तैयार हो गऐ। उन्होंने कहा कि सेवा के लिए कोई भी स्थिति-परिस्थिति हो उसके लिए वह तैयार रहते हैं। वह बरसती बारिश में सीधा अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे और उन्होंने 7वीं बार एसडीपी डोनेट की। वह इससे पूर्व 14 बार ब्लड डोनेशन कर चुके हैं।

हमारा शरीर स्वस्थ है तो दिमाग स्वस्थ रहता है : जायसवाल

कोटा, (निसं)। स्व.सेठ प्रभुलाल -कल्याणी बाई जायसवाल की स्मृति में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाईड स्थानीय संघ कोटा दक्षिण एवं जायसवाल परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेवा पखवाड़े के तहत् शुक्रवार को 'नशा मुक्त हो भारत अपना' विषय पर जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान गाईड्स हाथों में 'नशामुक्त युवा सशक्त भारत' का संदेश देती तख्तियां लेकर चल रहे थे। गाईड्स ने मद्य निषेध हितकारी है बिटिया की बात प्यारी है.., अपनी बिटिया करें पुकार, पापा मदिरा है बेकार.., शराब छोड़ा मिली खुशी, मुन्ना मुन्नी दोनों खुशी.. सहित अन्य नारे लगाकर लोगों को नशामुक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रकाश जायसवाल ने कहा कि हमारा शरीर स्वस्थ है तो दिमाग स्वस्थ रहता है। नशे से दूर रहें, नशा नाश का दूसरा नाम है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश के विकास में बड़ी भूमिका अदा करती है।

कोटा कलेक्टर ने कैम्पस में कोचिंग स्टूडेंट्स को संबोधित किया।

अगर युवा ही नशे की गर्त में चले जाएंगे तो देश की तरक्की में बाधा बन जाएगी। नशा मुक्त भारत अभियान में हर व्यक्ति को योगदान देते हुए सरकार का सहयोग करना चाहिए। प्रकाश जायसवाल ने कहा कि नशे से युवा पीढ़ी बर्बाद और समाज खोखला हो रहा है। हमें नशा मुक्त समाज बनाने के लिए जन-जन को जागरूक करना होगा। स्काउट गाईड जिला प्रधान प्रकाश जायसवाल ने बताया कि सेवा पखवाड़ा 5 जनवरी तक आयोजित होगा। रैली में मीनाक्षी महावर, धरणी कुमारी, डिंपल महावर, अनामिका वर्मा, नव्या सेन, गायत्री यादव समेत बड़ी संख्या में स्काउट गाईड व कब बुलबुल मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन आयेजित

बूंदी। बूंदी के युवाओं ने विश्व युवा केंद्र एवं प्रोजेक्ट पॉइंट के तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मंच पर हाड़ौती के पर्यटन विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। ओडिशा के सम्बलपुर में आयेजित इस आयोजन में भारत के 8 पड़ोसी देशों एवं 22 राज्यों के चयनित युवा प्रतिभागियों ने सहभागिता की।'इंटरनेशनल यूथ-समिट' में युवा प्रतिनिधि भूपेन्द्र योगी ने राजस्थानी भाषा में 'खम्मा घणी सा' के उद्‌घोष के साथ राजस्थान में पर्यटन विकास की संभावनाएँ विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किया, साथ ही इस दिशा में बूंदी महोत्सव के सार्थक प्रयास बताते हुए संभागियों को महोत्सव के तहत आयोजित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर राजस्थान दल की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यहाँ की सभ्यता व रीति-रिवाजों के संदर्भ में युवाओं को जानकारी दी। यूथ-कॉन्क्लेव के समापन समारोह में बूंदी के युवा प्रतिभागियों एवं राजस्थान दल को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन

- ''स्वास्थ्य शिविरों में 3937 व्यक्तियों को मिली सेवाएं''
- चिकित्सा विभाग द्वारा 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उन्हेल, घाटोली, गरनावद, दुधालिया, डोण्डा व पनवाड़ में शिविरों का आयोजन

झालावाड़ । चिकित्सा, स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग द्वारा गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाओं की सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला सहित प्रदेशभर में सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर 15 दिसंबर 24 से 31 जनवरी 2025 तक तीन चरणों में आयोजित किये जा रहे है। इस क्रम में जिले में प्रथम चरण में आज चिकित्सा विभाग द्वारा 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उन्हेल, घाटोली, गरनावद, दुधालिया, डोण्डा व पनवाड़ में शिविरों का आयोजन किया गया।

आज आयोजित शिविरों में 4709 जनसहभागिता, 3937 पंजीकृत, 187 गर्भवती महिलाएं, 113 गर्भवती का टीकाकरण, 287 योग्य दम्पत्ति जिन्हे साधन उपलब्ध करवाये, 129 कैटरेक्ट के चिन्हित, 862 तीस वर्ष से अधिक आयु के मधुमेह स्क्रीनिंग, 789 तीस वर्ष से अधिक आयु के उच्च रक्तचाप स्क्रीनिंग, 247 औरल कैंसर स्क्रीनिंग, 17 ब्रेस्ट कैंसर स्क्रनिंग, 04 सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग, 449 ईएनटी जाँच, 193 दंतरोग जाँच, 68 टीबी संभावित जाँच व 18 टेलीकन्सल्टेशन किया गया।

इन शिविरों में निःशुल्क जांच सुविधा, विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा टेली कंसल्टेशन, गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच बच्चों का टीकाकरण, डायबिटीज हाइपरटेंशन, कैंसर व अंधता के रोगियों की स्क्रीनिंग की सुविधा भी उपलब्ध रही। वहीं जरूरत पर रोगी को शिविर से एंबुलेंस की मदद से चिकित्सा संस्थान में जाकर उपचार भी करवाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. साजिद खान ने बताया कि जिले में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों में स्वयं, अपने परिजनो व परिचितों की स्वास्थ्य की जाँच एवं अन्य चिकित्सा विभाग से सम्बन्धित कार्य करवाएं। शिविरों के माध्यम से ही ग्राम स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं के साथ ही 30 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों की संचारी रोगो की स्क्रीनिंग भी करवाई जा रही है ताकि भविष्य में होने वाले संचारी रोगों से बचा जा सके।

जन्म कल्याण महोत्सव सम्पन्न

बारां । श्री गुणवर्धन शंखेश्वर जैन तीर्थ ट्रस्ट अध्यक्ष, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया तथा ट्रस्ट के सभी ट्रस्टीगण ने बताया कि कोटा-बारां हाईवे पर बमूलिया के निकट स्थित गुणवर्धन शंखेश्वर पाश्वनाथ जैन तीर्थ पर भगवान पाश्र्वनाथ का 23 से 27 दिसम्बर तक चार दिवसीय जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जा रहा था जिसका आज हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। जैन तीर्थ पर आयोजित जन्म कल्याणक महोत्सव में आचार्य भगवन्त वर्धमान तपोनिधि प. पू. आचार्य श्री नयचंद्र सागर सूरी म.सा., सहस्त्रावधानी प. पू.गणिवर्य डॉ. अजीतचन्द्र सागर जी म.सा. व बोरदिया परिवार के कुलदीपक बालमुनी विजयचन्द्र सागर जी म.सा., पूज्य साध्वी श्री अमीवर्षा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा की उपस्थिति में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें सकल श्रीसंघ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। तीर्थ पर अदृम की तपस्या करने वाले साधकों के लिए आज पारणा का आयोजन किया। पधारे सभी आचार्य भगवंतों एवं समाज बंधुओं का भाया दम्पत्ति ने आभार व्यक्त किया कि वह इस जन्मोत्सव कल्याणक महोत्सव में शामिल हुए।

कोटा थर्मल में प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगेंगे नए सयंत्र

- वर्ष 2026 के अंत तक बंद हो जाएंगी थर्मल की चार इकाइयां
- हम लोग संस्था की मुहिम लाई रंग, अभियान रहेगा जारी

कोटा, (निसं)। पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित कर लोगों को शुद्ध वायु, शुद्ध पानी व शुद्ध जल उपलब्ध कराने के साथ ही पूरे विश्व में जलवायु परिवर्तन से पैदा हो रहे खतरे को रोकने के लिए दशकों से कार्यरत हम लोग संस्था की एक ओर मुहिम रंग लाई है। हम लोग संस्था की ओर से करीब एक साल से कोटा थर्मल के प्रदूषण को नियंत्रित करने की मुहिम चलाई हुई है।

हम लोग संस्था का प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को संस्था के संयोजक डॉ.सुधीर गुप्ता व कोटा थर्मल के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता अजय चतुर्वेदी की अगुवाई में कोटा थर्मल के मुख्य अभियंता केएल मीणा के कक्ष में अतिरिक्त मुख्य अभियंता कटियार से मिला। प्रतिनिधि मंडल में शामिल पर्यावरण विद राजू गुप्ता ने थर्मल के उच्चाधिकारियों के सामने कोटा थर्मल की इकाईयों की चिमनियों से निकल रहे धुएं में सल्फर की अधिक मात्रा पर चिंता जताई तथा इसे नियंत्रित करने का आग्रह किया। साथ ही प्रतिनिधि मंडल ने हाल ही में चम्बल नदी में ऑयल युक्त झागदार पानी फैलने से जलीय जीवों पर पैदा हुए खतरे से भी अवगत कराया। इसके जवाब में कोटा थर्मल के उच्चाधिकारियों ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि कोटा थर्मल की इकाइयों की चिमनी से निकलने वाले धुएं से सल्फर की मात्रा को वायु में छोड़ने से पहले नियंत्रित करने के लिए थर्मल प्रशासन कोटा थर्मल परिसर में एक सयंत्र का निर्माण कर रहा है, जिसका कार्य अगले वर्ष दिसम्बर तक पूरा हो जाएगा।

हम लोग संस्था के प्रतिनिधि मंडल में शामिल वनस्पति विशेषज्ञ डॉ.पृथ्वीपाल सिंह ने कोटा थर्मल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता कटियार से कहा कि कोटा थर्मल की अवधि पार हो चुकी और प्रदूषण फैला रही 110-110 मेगावाट की पहली व दूसरी इकाई तथा 210-210 मेगावाट की तीसरी व चौथी इकाई को बंद करने के संबंध में बात की। इस बारे में अतिरिक्त मुख्य अभियंता कटियार ने बताया कि राज्य में बिजली की कमी को देखते हुए इन्हें बंद नहीं किया गया है।

इन चारों इकाईयों को वर्ष 2026 के अंत तक बंद करने का लक्ष्य है तब तक राज्य में प्रचुर मात्रा में सोलर व पन बिजलीघर उपलब्ध हो जाएंगे। कोटा थर्मल के उच्चाधिकारियों ने बताया कि कोटा थर्मल की पहली, दूसरी, तीसरी व चौथी इकाई के उपयोग में लेने के बाद पानी को वर्तमान में ऐश डाइक में डिस्चार्ज किया जा रहा है। अब इन इकाईयों से भी पानी के जीरो डिस्चार्ज के लिए ईटीपी का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए चैन्नई की कंपनी को वर्कऑर्डर दिया गया है। इस ईटीपी का कार्य भी शीघ्रता से पूरा कर इन चारों इकाईयों के पानी को साफ कर फिर से काम में लिया जा सकेगा।

'सी.बी.सी. जांच सहित अन्य सेवाओ का भी मिल रहा लाभ'

- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों में मिल रही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं

बून्दी । जिले मे मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरो के जरिये आमजन को बेहतरीन एवं गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही है। शुक्रवार को नीम का खेड़ा, कापरेन, जेप्टा डेम स्वास्थ्य केंद्रों पर आरोग्य शिविर लगाए गए।

सीएमएचओ डॉ. ओ पी सामर ने बताया कि शुक्रवार को खंड बूँदी की पिएचसी नीम का खेड़ा मे आयोजित शिविर का निरीक्षण कर उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान डिप्टी सीएमएचओ डॉ कमलेश शर्मा भी साथ रहे। सीएमएचओ डॉक्टर सामर ने बताया की शिविर मे नियमित चिकित्सकों सहित दंत रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, आयुर्वेद चिकित्सक, फार्मासिस्ट और नर्सिंगकर्मियों ने सेवाएं दी।शिविरों में 37 प्रकार की जांच सुविधा निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। साथ ही ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों की जांच एवं कैंसर आदि की स्क्रीनिंग की गई। वहीं गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, बच्चों का टीकाकरण, डायबिटीज हाइपरटेंशन व अंधता के रोगियों की स्क्रीनिंग की सुविधा मुहैया करवाई गई। इसके अलावा टीबी मरीजों की जांच, जरूरत होने पर एक्स-रे, निक्षय पोषण योजना में वंचित व्यक्तियों का बैंक अकाउंट प्राप्त कर पोर्टल में अपडेट करवाने सहित अन्य बीमारियों की जांच एवं उपचार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले में 15 दिसंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक सभी पीएचसी व सीएचसी में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाए जाएंगे। सीएमएचओ डॉ. सामर के अनुसार शुक्रवार को आयोजित शिविर का निरीक्षण किया साथ ही पिएचसी नीम का खेड़ा का भी निरिक्षण किया सीएमएचओ डॉ. ओ पी सामर ने बताया कि शिविर तीन चरणों में आयोजित होंगे।

इसमे प्रथम चरण के दौरान समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) पर शिविर, शिविर जो जिला मुख्यालय पर आयोजित किए जाएंगे।

पर्यटन स्थलों के चित्रण का ओम बिरला ने किया विमोचन

कोटा, (निसं)। कोटा बुक सेलर्स एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र लोढ़ा सचिव अनुराग मलिक संरक्षक नरेंद्र मोहन मुन्दड़ा ने बताया कि कोटा बुक सेलर्स एण्ड स्टेशनरी एसोसिएशन एवं कोटा कॉपी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन की गत दिनों हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार कोटा में निर्मित कापियों के आगे व पीछे के पृष्ठ पर कोटा के पर्यटन स्थलों के चित्रण लगाए जाएंगे इन कॉपियों का विमोचन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा महोत्सव के दौरान आयोजित हेरीटेज वॉक मे गढ़ पैलेस पर किया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा कोटा जिला कलेक्टर डॉ.रविंद्र गोस्वामी कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी जनरल मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार जैन मौजूद थे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हाड़ौती के पर्यटन विकास मिशन के लिए, यह एक सराहनीय कदम है अन्य संस्थाओं को भी इसमें आगे आना चाहिए। इस अवसर पर कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी ने कहा कि फेडरेशन हाड़ौती को नई दिशा देने के लिए निरंतर पर्यटन एवं औद्योगिक विकास के लिए कार्य कर रहे हैं कोटा बुक सेलर्स एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन और कोटा कॉपी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन द्वारा बनने वाली कापियो के आगे वह पीछे के पेजों पर कोटा के पर्यटन स्थलों का चित्रण होने से यहां के पर्यटन विकास को भी गति मिलेगी। इन कॉपियों में कोटा के पर्यटन स्थलों का चित्रण होने से हाड़ौती व प्रदेश में प्रचार प्रसार होने से यह हाड़ौती विकास के लिए मिल का पत्थर साबित होगी। कोटा बुक सेलर्स एंड स्टेशनरी एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र लोढ़ा एवं सचिव अनुराग मलिक ने बताया कि कोटा महोत्सव के दौरान हमने इस प्रकार की कापियों का प्रकाशन कर इसका विमोचन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा करवाया गया है अब इनकी बिक्री हम पूरे हाड़ौती व प्रदेश में करेंगे जिससे पर्यटन स्थलों का पूरे प्रदेश में प्रचार प्रसार हो सकें जो निरंतर जारी रहेगा।

कोटा के पर्यटन स्थलों के चित्रण का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विमोचन किया है ।

'मन को चुराने की लीला ही माखन चोर लीला है'

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम गालव भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस पर कथा व्यास आचार्य ऋतुराज शर्मा ने भगवान कृष्ण की बाल-लीलाओं का महत्व बताते हुए बताया कि माखन लीला का अभिप्राय अतिशय गुढ है, देह रूपी मटकी से नवनीत रूपी मन को चुराने की लीला ही माखन चोर लीला है। कथा व्यास ने बताया कि भगवान कृष्ण को विशुद्ध मन अतिशय प्रिय है, इसीलिए परमात्मा विशुद्ध मन की चोरी करने के लिए देह रूपी मटकी में प्रवेश करते है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को अपना मन विशुद्ध रखना चाहिएं। भगवान की दामोदर लीला सुनाते हुए बताया कि मनुष्य को क्रोध नहीं करना चाहिए। भगवान कृष्ण ने मटकी पर क्रोध किया और उस मटकी को फोड़ दिया जिसके कारण उन्हें भी उखल से बंधना पड़ा, इसलिए साधक मनुष्य को भक्ति के पथ पर क्रोध से बचना चाहिएं। गोवर्धन पूजा का महत्व बताते हुए संत ने बताया कि प्रकृति की पूजा ही परमात्मा की प्रत्यक्ष पूजा है। गिरिराज पर्वत की पूजा कराकर भगवान कृष्ण ने प्रकृति के महत्व को सिद्ध किया है।

सार-समाचार

''स्पोर्ट्स वीक'' का आयोजन

कोटा, (निसं)। मोदी ग्रुप द्वारा संचालित नयागाँव स्थित मोदी लॉ कॉलेज में विधार्थियों के लिए स्पोर्ट्स वीक का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम में विविध खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विधार्थियों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चेयरमैन सुशील मोदी, ग्रुप डायरेक्टर राघव मोदी, और प्रिंसिपल डॉ.क्षिप्रा गुप्ता रहे। चेयरमैन सुशील मोदी ने बताया कि 'खेल विद्यार्थियों को अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल सिखाते हैं, जो उनके जीवन में सफलता के लिए आवश्यक हैं।' उन्होंने खेलकूद के महत्व पर अपने विचार साझा किए। स्पोर्ट्स वीक के दौरान क्रिकेट, कबड्डी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल, रस्सा-खस्सी जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। ग्रुप डायरेक्टर राघव मोदी ने अपने विचार रखते हुए बताया कि 'खेलकूद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते है, बल्कि छात्रों को मानसिक मजबूती भी प्रदान करते हैं।' प्राचार्य डॉ. क्षिप्रा गुप्ता ने कहा, 'खेलों के माध्यम से छात्रों को तनावमुक्त रहने और जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है।' कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। यह स्पोर्ट्स वीक छात्रों के जीवन में खेलों के महत्व को रेखांकित करने के साथ-साथ उनके शारीरिक और मानसिक विकास का एक बेहतरीन मंच साबित हुआ।

नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर आज

कोटा, (निसं)। लायंस क्लब कोटा द्वारा 28 दिसम्बर को निःशुल्क नैत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। लायंस क्लब अध्यक्ष प्रमोद विजय ने बताया कि बताया कि हवाई अड्डे के सामने झालावाड़ रोड़ स्थित लांयस क्लब भवन, कोटा में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा। सोमवार 28 दिसम्बर को प्रातः 10 से 01 बजे तक नेत्र रोगियों की जांच व भर्ती की जाएगी। 29 व 30 दिसम्बर को लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन किए जाएंगें। सचिव विरेन्द्र विजय ने बताया कि निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में जिला अंधता निवारण समिति कोटा भी सहयोग रहेगा। शिविर प्रभारी अशोक नुवाल ने बताया कि शिविर में सभी मरीजों को आवास, भोजन, दवाईयां लेंस एवं चश्में की व्यवस्था क्लब द्वारा की जाएगी। शिविर में आने वाले नेत्र चिकित्सा रोगी को आधार कार्ड, राशन कार्ड या वोटर आईडी कार्ड की जेरोक्स कॉपी एवं दो फोटो साथ लाने होंगे। शिविर में निःशुल्क ब्लड प्रेशर, मधुमेह, एक्यूप्रेशर की निःशुल्क जांच भी होगी। शिविर मे डॉक्टर विशाल स्नेही अपनी सेवायें देंगे

त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

कोटा, (निसं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के मल्टीपल-3233 के तत्वावधान में अध्यक्ष इलन डॉ. संजीव जैन के निर्देशन में तीन दिवसीय रीजनल लायंस नेतृत्व कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यशाला के सहसंयोजक मल्टीपल सेक्रेटरी लायन यश शर्मा ने बताया कि कार्यशाला में मल्टीपल के पांच प्रांत जो राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में हैं, से 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें से प्रांत 3233-ई-2 से 9 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अतिक्रमण हटाए

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा उत्तर व दक्षिण एवं केडीए के अतिक्रमण निरोधक दस्तो ने शुक्रवार को केडीए के अतिरिक्त पुलिस अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया।

खोया पाया

प्रेमचंद पुत्र हेमचंद 2-द-1 दादाबाड़ी कोटा का परपियुच्ल लीज डीड, कनवेंस डीड आलोटी, आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, अदेय प्रमाण पत्र, इन्वेंटरी, व डिक्लेयरेशन गुम हो गया है, किसी को मिलने पर सूचित करें।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति नाहरगढ़ जिला बारां (राज.)

क्रमांक :- 292 - 04 | दिनांक :- 26/12/2024

कृषि उपज मण्डी समिति नाहरगढ़ के कार्यालय पत्रांक 248-60 दिनांक 14/11/2024 से भूखण्ड आवंटन हेतु जारी विज्ञप्ति अनुसार आवेदन फार्म प्राप्त करने व जमा करने की दिनांक 03/01/2025 तक बढ़ाई जाती है।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति नाहरगढ़

राज.संवाद/सी/24/9631

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड

सूचना

निम्न लिखित ऋणी, सह-ऋणी व गारण्टर को सूचित किया जाता है सरफेसी अधिनियम 2002 के अन्तर्गत आपकी सम्पत्ति को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक द्वारा विक्रय कर दिया गया है। यदि आप द्वारा नोटिस दिनांक से ''15 दिवस'' के भीतर बंधक सम्पत्ति में रखा हुआ सामान नहीं हटाया जाता है तो उक्त सामान का बेचान अथवा अन्यत्र किरायाशुदा स्थान पर स्थानान्तरित कर दिया जायेगा। जिसके हर्जे, खर्चे व स्थानान्तरण के दौरान होने वाले नुकसान के लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे। सामान प्राप्त करने व इस सम्बन्ध में अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र : योगेश कुमार चौधरी - 9773322672 या नजदीकी शाखा में सम्पर्क करे।

ऋण खाता संख्या एवं ऋणी /सह-ऋणी/ बंधककर्ता/ जमानतदार का नाम	बंधक सम्पत्ति का विवरण
खाता संख्या : L9001070430481760 व L9001070231075069 लेखराज बैरवा (ऋणी) , श्रीमती राम बाई वर्मा (सह-ऋणी)	सम्पत्ति स्थित खसरा नं. 1907, 1913 का भाग, प्लॉट नं. 25, बालाजी नगर, गांव-देई, तहसील-नैनवा, जिला-बूंदी, राजस्थान क्षेत्रफल 900 वर्ग फीट

दिनांक- 27-12-2024
स्थान - राजस्थान

S/d प्राधिकृत अधिकारी
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

विज्ञप्ति

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2911 | दिनांक:-6.12.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम नयाखेडा में स्थित कृषि भूमि योजना ज्ञान सरोवर भूखंड संख्या ए-14 खसरा नं. 75 आवेदक/आवेदिका सीमा जैन पुत्री श्री हुक्म चन्द जैन निवासी 228 शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 322 दिनांक 10.06.2013 को श्री हुकम चंद जैन पुत्र श्री गुलाब चंद जैन एवं सीमा जैन पुत्री श्री हुक्म चन्द जैन के पक्ष में जारी किया गया था। सहपट्टाधारी हुकम चन्द जैन की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 30.12.2021 को हो चुकी है। मृतक हुकम चन्द जैन द्वारा अपने जीवनकाल में अनरजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 26.05.2008 में आवेदिका का पक्ष में किया गया है।

अतः सीमा जैन पुत्री श्री हुक्म चन्द जैन के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

लोक सूचना

क्रमांक:-LU2012/KOT/2024-25/100850 | दिनांक:-27.12.2024

श्री PRADEEP KUMAR SHARMA पुत्र श्री JAGDISH PRASAD SHARMA जाति BRAHMAN निवासी FLAT NO 202 ORIENT PRIME 18 VALLABH NAGAR, OPP SOPHIA SCHOOL KOTA ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	पोलाई कला दीगोद (कोटा)	RADHAKISHAN S/O HAJARI LAL CASTE-MEENA SA. KASHIPURA TEH. MANGROL DIST BARAN KHATDER	339	400	0.04
				कुल	0.04

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के आभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 27.12.2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

जाहिर आम सूचना

क्रमांक 4526 | दिनांक - 23.12.24

आवास संख्या 2-एफ-19 महावीर नगर तृतीय कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री सलामत उल्ला बेग पुत्र श्री इनायत उल्ला को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्री राम दयाल राठौर पुत्र श्री बसन्ती लाल राठौर के नाम दिनांक 23.05.2008 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री राम दयाल राठौर पुत्र श्री बसन्ती लाल राठौर द्वारा दिनांक 25.11.2009 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्री राम दयाल राठौर पुत्र श्री बसन्ती लाल राठौर द्वारा उक्त आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 31.08.2010 को मुख्तारनामा आम आलेखित कर श्री विनस विज पुत्र श्री प्रेम सागर विज को अपना मुख्तारआम नियुक्त किया गया। श्री विनस विज पुत्र श्री प्रेम सागर विज मुख्तारआम श्री राम दयाल राठौर पुत्र श्री बसन्ती लाल राठौर द्वारा मुख्तारआम की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 09.11.2011 को श्री हरीश कुमार शर्मा पुत्र श्री रामनाथ शर्मा एवं श्रीमती कुसुमलता पुरोहित पत्नी श्री हरीश कुमार शर्मा को संयुक्त रुप से किया गया। श्री हरीश कुमार शर्मा पुत्र श्री रामनाथ शर्मा एवं श्रीमती कुसुमलता पुरोहित पत्नी श्री हरीश कुमार शर्मा का नाम दिनांक 11.09.2023 को विक्रय पत्र के आधार पर मंडल अभिलेख में संयुक्त रुप से दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्री हरीश कुमार शर्मा पुत्र श्री रामनाथ शर्मा एवं श्रीमती कुसुमलता पुरोहित पत्नी श्री हरीश कुमार शर्मा द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 21.09.2023 को श्रीमती हेमलता मीणा पत्नी श्री राकेश कुमार मीणा को किया गया। श्रीमती हेमलता मीणा पत्नी श्री राकेश कुमार मीणा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 2-एफ-19 महावीर नगर तृतीय कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती हेमलता मीणा पत्नी श्री राकेश कुमार मीणा के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती हेमलता मीणा पत्नी श्री राकेश कुमार मीणा का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती हेमलता मीणा पत्नी श्री राकेश कुमार मीणा के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

पश्चिमी विक्षोभ का असर, प्रदेश के कई जिलों में हुई मावठ

मावठ की बरसात होने से किसानों के चेहरे खिले, सर्द हवाओं ने लोगों को ठिठुराया

उदयपुर में मावठ ने ठण्ड बढ़ाई, कोहरे से जनजीवन प्रभावित हुआ

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने से बारिश हो रही है। प्रदेश के कई जिलों में हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इधर लेकसिटी में भी शुक्रवार अलसुबह शुरू हुई बारिश दोपहर तक रूक-रूक कर जारी रही। सुबह सर्द मौसम की पहली बारिश (मावठ) हुई जिससे मौसम ठंडा हो गया। रात दो बजे हल्की बूंदाबांदी हुई थी। इसके बाद अल

- **धूप नहीं निकलने की वजह से लोगों के लिए ठंड मुसीबत का कारण बन गई**

उदयपुर के फतहसागर झील के बीच स्थित नेहरू गार्डन कोहरे के बीच पूरी तरह से छुप गया।

सुबह 6 बजे तेज बिजली कड़कने के साथ रिमझिम बारिश शुरू हो गई जो करीब आधे घंटे तक होती रही।

बारिश के बाद घना कोहरा छाने से विजिबिलिटी भी कम हो गई। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी और तेज बारिश की वजह से कुछ जगहों पर पानी भी भर गया। तापमान में गिरावट आने से सर्दी बढ़ गई है। शुक्रवार अलसुबह शुरू हुई बारिश की वजह से दोपहर तक आसमान में बादल छाए रहे। इसकी वजह से सूर्य देव के दर्शन नहीं हो सके। धूप नहीं निकलने की वजह से लोगों के लिए ठंड मुसीबत का कारण बन गई। खास शुक्रवार अलसुबह शुरू हुई बारिश की वजह से दोपहर तक आसमान में बादल छाए रहे। बिना कार्य के लोगों ने घरों से बाहर निकला उचित नहीं समझा हांलाकि बारिश के रूकने के बाद सैकड़ो शहरवासियों ने सुप्रसिद्ध फतहसागर झील का रूख किया और लोगों ने मौसम का जमकर लुत्फ उठाया। ठंड बढ़ने के बावजूद लोग झील किनारे पहुंचे और पाल पर घूमते हुए गर्म पेय पदार्थ का आंनद लिया। कई लोग सेल्फी लेते भी नजर आए।

विजिबिलिटी कम होने के कारण महाराणा प्रताप एयरपोर्ट से कुछ फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया इनमें जयपुर-उदयपुर फ्लाइट (6ई7465), मुंबई-.उदयपुर (6ई5038), दिल्ली-उदयपुर (6ई2103), हैदराबाद-उदयपुर (6ई846) और इंदौर-उदयपुर (6ई7424) के बीच उड़ाने भरने वाली फ्लाइट डायवर्ट की गई है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए आने वाले दो दिनों में और बारिश होने की आंशका व्यक्त की है। मौसम विभाग की माने तो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से राजस्थान के कई जिलों में बारिश हो सकती है तो वहीं दूसरी और घना कोहरा होने की वजह से विजिबिलिटी पर भी असर पड़ेगा।

श्रीमाधोपुर में सवा दो इंच बारिश हुई

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे व ग्रामीण आंचल में बीती रात्रि से कभी धीमा तो कभी तेज बरसात का दौर लगातार जारी है। लगातार हो रही बरसात के बाद आमजन की दिनचर्या में भी प्रभाव पड़ा है। मौसम की पहली मावठ के चलते सर्दी ने भी अपने तीखे तेवर दिखाना शुरू कर दिया जो पूरे दिन भर रुक-रुक कर बारिश हुई।

दिनभर हो रही बरसात ने आमजन की दिनचर्या को प्रभावित कर दियाऔर लोग शाम तक भी घरों में गर्म कपड़ों में दुबके नजर आये वहीं बाजार में आम दिनों की तरह चहल-पहल दिखाई नहीं दी, कई दुकानदारों ने तो सर्दी में बरसात के माहौल को देखते हुए घरों में ही दुबके रहे व घरों में ही चाय, पकौड़ी, मूंगफली आदि का आनंद लेते रहे हैं। लगातार हो रही वर्षा के बाद चारों ओर बारिश का पानी ही पानी हो गया। तहसीलदार जगदीश प्रसाद बैरवा बताया कि लगातार मध्य रात्रि से हो रही मावठ के बाद शहर में शाम तक 55 एमएम बारिश दर्ज की गई है। फिलहाल बारिश का दौर जारी है। इस बरसात से किसानों के खेतों में खड़ी जौ, चना, सरसों की फसल के लिए काफी फायदेमंद माना जा रहा है।

किसान जैसाराम गठाला, सीताराम सैनी, मोहनलाल सैनी लालवाला राजेंद्र कुमार लुणावाली ने बताया की फसल के लिए यह मावठ अमृत के समान है। इस बारिश से फसलों को काफी फायदा होगा।

श्रीमाधोपुर में बरसात होने से कोहरा छाया रहा।

निवाई में तेज गडगडाहट के साथ हुई पहली मावठ :- उपखण्ड क्षेत्र सहित शहर में बादलों की तेज गड़गड़ाहट के साथ हुई पहली मावठ से जनजीवन प्रभावित हो गया। पिछले एक सप्ताह से पड़ रही कड़ाके की सर्दी व शीतलहर से लोग कंपकंपा उठे। वहीं शुक्रवार को सुबह से शाम तक सूर्यदेव दर्शन नहीं हुए। दोपहर बाद बादलों की तेज गड़गड़ाहट के साथ अचानक तेज बरसात हुई। इस दौरान बादलों की गड़गड़ाहट व आकाशीय बिजली के धमाकों से लोग सिहम उठे। बरसात होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कड़ाके की सर्दी व शीतलहर से बाजारों में शाम के समय जल्दी ही सन्नाटा होने लगा। सर्दी से बचाव के लिए लोग घंटों तक अलाव जलाकर तापते हुए नजर आए। वहीं गांवों में भी घने कोहरे के साथ ठण्डी हवा चलने से कड़ाके की सर्दी से लोग कंपकंपा उठे। घने कोहरे के चलते यातायात सहित ट्रेने भी प्रभावित रही।

सरवाड़, मसूदा में बारिश से किसानों के चेहरे खिले

सरवाड़/मसूदा, (निसं)। सरवाड़ में गुरुवार रात्रि से मावठ की बारिश शुरू हुई जो शुक्रवार को पूरे दिन रुक रुककर जारी रही। बारिश से सरवाड़ के कई नाले अवरुद्ध हो गए। वहीं पालिका प्रशासन की साफ सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई।

- **लोग सर्दी से बचाव के लिए अलाव का सहारा लेते हुए नजर आए**

शहर साहित उपखंड क्षेत्र के गांवों में बारिश होने से किसानों के चेहरों पर मुस्कान नजर आई। साथ ही तापमान में गिरावट आई है। आसमान में बादल छाए रहने से सर्दी का असर बढ़ गया। मावठ से किसानों के चेहरों पर खुशी की चमक देखने को मिल रही है। उपखंड क्षेत्र में गुरुवार रात को हल्की बूंदाबांदी हुई। मावठ से खेतों में फसलों में फायदा होगा। पिछले लगातार तीन दिनों से आसमान में बादल छाए रहने से सर्दी का असर अचानक से बढ़ गया है और सर्दी से बचाव के लिए लोग गर्म कपड़ों से ढके हुए नजर आ रहे हैं। बाजार में भी सर्दी का असर देखा जा रहा है। वहीं सर्दी के चलते फसलों को भी फायदा मिलेगा। खेतों में अल सुबह से ही हल्का कोहरा छाया रहा। किसानों ने बताया कि मावठ से सरसों, गेहूं, जौ, चना सहित अन्य सभी फसलों को फायदा मिलेगा।

मसूदा में हुई बरसात :- मसूदा उपखंड में मौसम का मिजाज बदला नजर आया। अलसुबह से ही रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। प्रदेश सहित जिले में पश्चिमी मानसून का असर नजर आया और मौसम का मिजाज बदल गया। घना कोहरा, सर्द हवाओं के बाद लोगों पर अब मावठ की बारिश का असर देखा गया।

मसूदा उपखंड क्षेत्र में कड़ाके की ठंड के साथ देर रात व दिन में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा। कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश का सिलसिला बना रहा। तापमान में लगातार गिरावट देखने को मिली। लोग सर्दी से बचाव के लिए अलाव का सहारा लेते हुए नजर आए। इसके अलावा दिनभर गर्म कपड़ों में लिपटे रहे। सर्दी और बारिश के चलते जनजीवन भी प्रभावित रहा। शुक्रवार को सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए।

पिलानी में ओले गिरे

झुंझुनूं, (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम का मिजाज बदल गया है। जिले में बरसात का दौर सुबह-सुबह जारी रहा। जिले के पिलानी कस्बे में तेज बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई है। पिलानी में करीब पांच मिनट तक चने के आकार के ओले गिरे। ओलावृष्टि के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। ओलावृष्टि से सरसों व मटर सहित सब्जी की अन्य फसलों में नुकसान की सम्भावना है। मौसम विभाग ने जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए ओलावृष्टि, मेघगर्जन और वज्रपात की चेतावनी जारी की थी। झुंझुनूं जिले की 12 तहसीलों में 93 एमएम बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक 13 एमएम बारिश पिलानी, बिसाऊ तथा चिड़ावा तहसील में दर्ज की गई। जबकि खेतड़ी सूखा रहा। इसके अलावा मलसीसर में तीन एमएम, उदयपुरवाटी में सात, गुढ़ा में छह, बुहाना में चार, सूरजगढ़ में 11, नवलगढ़ में आठ, मंडावा में छह, झुंझुनूं में नौ एमएम बारिश दर्ज की गई है।

फुलेरा में सीजन की पहली मावठ

मावठ ने मौसम का मिजाज बदला, ठिठुरन बढ़ी, छूटी धूजणी

फुलेरा, (निसं)। क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से नया पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने व पूर्वी हवाओं के चलने से रात के पारे में चढ़ाव व दिन के पारे गिरावट से सीजन की पहली मावठ से दिनभर में अंधेरा हुआ तथा धूजणी छूटने लगी।

गौरतलब है कि कस्बे में पिछली रात से मेघगर्जन के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं शुक्रवार को अलसुबह से ही बारिश दिनभर रुक-रुककर मेघगर्जन व हल्की व मध्यम दर्जे की मावठ होती रही। इसके चलते दिनभर सूर्य के दर्शन भी दुर्लभ हो गये। मावठ की बारिश से किसानों के चेहरों पर चमक देखने को मिली। जानकारी के अनुसार रबि की फसल गेहूं, चना, जो, सरसों की फसल में फायदा होगा। जबकि पश्चिम विक्षोभ के असर से तापमान में गिरावट आयेगी।

इसके चलते धनिये की फसल को नुकसान की सम्भावना बढ़ेगी तथा पाला पड़ने की आशंका से फसलों को बचाने की जुगत करनी पड़ सकती है। क्षेत्र में दिनभर बारिश होने व ठण्ड बढ़ने से बाजारों की रौनक फीकी रही। खण्ड अधिक पड़ने से लोग घरो में दुबके रहे। इसके साथ क्षेत्र के दुकानदारों के कारोबार पर भी मौसम का असर दिखाई दिया। इसके अलावा क्षेत्र की चाय-पकौड़े की दुकानों व रैडियो पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। वहीं बाजार में लोग जगह-जगह अलाव तापते देखे गये। इसके अलावा स्कूलों की शीतकालीन अवकाश होते ही बच्चो ने अपनी छतों पर पतंगे उडानी शुरु कर दी थी। लेकिन बारिश के कारण बच्चे मायूस दिखाई दे रहे थे।

फुलेरा में दिनभर रूक-रूक कर होती बारिश के दौरान घूमते लोग।

चूरू में 7.8 एमएम बारिश दर्ज

चूरू, (निसं)। चूरू में शुक्रवार सुबह हुई बारिश के बाद कोहरा छाया रहा। सर्द हवाओं ने लोगों को कड़ाके की ठंड से ठिठुराकर रख दिया। बारिश के कारण शहर के लोहिया कॉलेज और नेचर पार्क के सामने बरसाती पानी एकत्रित हो गया। सुबह आठ बजे बाद घना कोहरा छाया। जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कोहरे के कारण विजिबिलिटी 200 मीटर रही। जिले में गुरुवार रात आसमान में घने बादल छाये रहे। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े चार बजे बिजली की गर्जना के बाद बारिश हुई। बारिश के बाद मौसम ठंडा हो गया। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। कोहरे के कारण सुबह के समय सड़कों पर वाहन धीमी गति से रेंगते नजर आए। कृषि विषेषज्ञों की मानें तो गेहूं, चना और सरसों की फसलों के लिए कोहरा और मावठ बहुत फायदेमंद है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे तक 7.8 एमएम बारिश दर्ज की गई।

फिरौती मांगने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। प्रोपर्टी डीलर का अपहरण कर उससे एक करोड़ की फिरौती मांगने वाले दो शातिर बदमाशों को सविना थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 25 दिसंबर को पीड़ित ऐजज पुत्र मोहम्मद मुमताज निवासी मन 1 युआईटी कॉलोनी सेक्टर 12 सविना ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी थी। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी मोईन उर्फ मोईनुद्दीन पुत्र सलीम छीपा उर्फ सलीम धागा निवासी गुलमण्डी सात भाईयों की गली थाना भीमगंज भीलवाड़ा, मोहसीन खान पठान पुत्र हनीफ खान पठान निवासी तेजाजी चौक थाना भीमगंज भीलवाड़ा को भीलवाड़ा से डिटेन कर उदयपुर लाने के लिए रवाना हुए। इस दौरान भागने के प्रयास में दोनों चोटिल हो गए। पुलिस ने दोनों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

छात्र पर जानलेवा हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में अग्निश्मन केन्द्र के पास छात्र पर चाकू से हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस टीम ने तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि कोटा में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र प्रेमशंकर के ऊपर चाकूबाजी की वारदात सामने आने पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन एवं आरकेपुरम थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया। गठित टीम ने अग्निश्मन केन्द्र के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार एवं मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हमले के आरोपी थाना अंता रसखैडा गांव निवासी देवेन्द्र (21), अकतासा निवासी गौरीशंकर उर्फ गौरू (21) और बंधा धर्मपुरा निवासी कान्हाराम उर्फ कान्हा (24) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जब्त की।

आरकेपुरम थानाधिकारी महेश कुमार ने बताया कि सुल्तानपुर जाखडोद हाल महावीर नगर विस्तार योजना निवासी प्रेमशंकर ने 23 दिसंबर को पर्चा बयान दिया था जिसमें कहा कि अग्निशमन केन्द्र के पास चाय की दुकान जाने के लिये रोड क्रॉस कर रहा था तभी बाइक पर तीन व्यक्ति आये और गाली-गलौच करते हुऐ जानलेवा हमला कर जांघ पर चाकू से वार कर दिया। पुलिस ने प्रेमशंकर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर घटना का खुलासा करते हुए तीन हमलावरों को बापर्दा गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी गिरफ्तार

तारानगर, (निसं)। तारानगर क्षेत्र की भालेरी पुलिस ने अपहरण की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को मात्र दो घंटे में गिरफ्तार किया है। वहीं अपहृत बालक को सकुशल छुडवाकर परिजनों को सुपुर्द किया। तारानगर पुलिस उप अधीक्षक रोहित सांखला ने बताया कि गुरुवार देर रात भालेरी थाना क्षेत्र के गांव कानडवास से एक लड़के को जान से मारने की नियत से उसके घर से 3-4 लड़के फोरचुनर गाड़ी में डालकर ले जाने की सूचना मिली, भालेरी थानाधिकारी नेतृत्व में थाने की टीम गठित की एवं जिलेभर में नाकाबंदी करवाकर तलाश शुरू की गयी। जिस पर भालेरी पुलिस व भानीपुरा थानाधिकारी रायसिंह मय टीम के सहयोग से आरोपी अपहरणकर्ता रणवीर पुत्र तेजाराम, कालू उर्फ़ चेतनाराम पुत्र हंसराज निवासी मालकसर भानीपुरा, कैलाश पुत्र मांगीलाल निवासी रंगाईसर सरदारशहर को वारदात के मात्र दो घण्टे में गिरफ्तार कर अपहृत बालक को सकुशल छुडवाकर परिजनों को सुपुर्द किया एवं आरोपियों को गिरफ्तार कर पुछताछ शुरू की।

बीएसएफ़ जवान ने खुद को गोली मारी

जैसलमेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। मृतक कृष्णकुमार (44) होशियारपुर (पंजाब) के निवासी थे। जानकारी के अनुसार 173वीं बटालियन के कृष्ण कुमार शाहगढ़ एरिया में भानु सीमा चौकी पर पोस्टेड थे। वे 24 साल से बीएसएफ में थे। घटना गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे की है। शाहगढ़ थाना प्रभारी बाबूराम ने बताया कि सुसाइड के कारणों की जांच की जा रही है।

अधेड़ की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में अधेड़ की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शशिकान्त कुमार शर्मा पुत्र केदारमल शर्मा निवासी रानी जीकी बावड़ी सेक्टर 7 विद्याधर नगर जयपुर हॉल डाकन कोटड़ा की 25 दिसंबर रात में अकाल मौत हो गई।

बिजली की हाइटेंशन लाइनों से टकराकर ग्रिफन गिद्ध घायल

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील के सांवता गांव की सरहद के पास श्रीदेगराय मंदिर ओरण क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक हिमालयी ग्रिफन प्रजाति का गिद्ध बिजली की हाइटेंशन लाइनों से टकराकर घायल होकर जमीन पर गिर गया, जिसे मौके पर मौजूद पशुपालक भोमसिंह ने देखा और इसकी सूचना पर्यावरण संरक्षक सुमेरसिंह भाटी सांवता को दी। जिन्होंने वन विभाग को इसकी सूचना दी।

साथ ही बताया कि जिस इलाके में यह गिद्ध दुर्घटनाग्रस्त हुआ है वहां पर पवन ऊर्जा संयंत्र के लिये भी सर्वेक्षण कार्य हो रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश भी है। हिमालयी ग्रिफन गिद्ध भारतीय वन्यजीव कानून के अंतर्गत प्रथम श्रेणी का संरक्षित दुर्लभ पक्षी है। यह पक्षी इन दिनों सर्दियों के प्रवास पर जैसलमेर के विभिन्न ओरणों में पशुपालन बाहुल्य क्षेत्रों में मौजूद हैं, जहां बिजली तारों से टकराकर यह दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

ग्रिफन प्रजाति का गिद्ध बिजली की हाइटेंशन लाइनों से टकराकर जमीन पर गिर गया।

धुंध में लिपटी रही सूर्यनगरी

जोधपुर, (कासं)। शहर में शुक्रवार को मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। आसमान पर सुबह से बादल छाए हुए रहे। इस कारण दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। इससे पहले दोपहर बारह बजे तक कोहरे का असर देखा गया। मौसम को देखते हुए मावठ की पहली बारिश की संभावना भी जताई गई है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से शहर में आज सुबह से ही बादल छाए रहे। इसके चलते शहर में बारिश की संभावना बनी रही। बादल छाए होने की वजह से शहरवासियों को सूर्य देव के भी दर्शन नहीं हुए। ठंड से बचने के लिए लोग तरह-तरह के जतन करते नजर आए। तापमान अधिक होने के बावजूद कोहरा और बादलों की आवाजाही के साथ ठंडी बयार ने लोगों को ठिठुराए रखा। धूप नहीं के बराबर निकली। बर्फाली हवा के झोंकों से दिनभर सर्दी बनी रही। दोपहर में तापमान 22 डिठी पर पहुंचा जो सामान्य से चार डिठी कम था।

वन विभाग के रेंजर को 1.90 लाख की संदिग्ध राशि के साथ पकड़ा

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ वन विभाग के रेंजर पुष्पेंद्र सिंह राणावत को भीलवाड़ा की एसीबी की टीम ने संदिग्ध राशि के साथ पकड़ा है। रेंजर मांडलगढ़ से विभाग के सरकारी वाहन में 1.90 लाख की संदिग्ध राशि लेकर भीलवाड़ा की ओर जा रहे थे।

- **सरकारी वाहन में ले जाई जा रही थी राशि**
- **'अवैध खनन को संरक्षण देने और दलालों के मार्फ़त राशि एकत्रित करने का आरोप'**

एसीबी टीम ने सूचना के आधार पर बीच रास्ते मे रेंजर पुष्पेंद्र सिंह के वाहन को रुकवाकर तलाशी ली। सरकारी वाहन से जब्त राशि के बारे में रेंजर द्वारा टीम को कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने के आरोप में हिरासत में लिया है और बरामद राशि के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है। एसीबी टीम ने बताया कि अवैध खनन को संरक्षण देने और दलालों के मार्फ़त रिश्वत की राशि एकत्रित करने का आरोप है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाड़ा की निरीक्षक कंचन भाटी टीम सहित मांडलगढ़ वन विभाग के दफ्तर पहुंची और रेंजर के आवास पर करीब तीन घण्टे तक सर्च किया, लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। जानकारी के अनुसार वन विभाग मांडलगढ़ कार्यालय में करीब छह माह पूर्व पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने पदभार ग्रहण किया था। राणावत के ख़िलाफ़ ब्यूरो को भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही थी।

बीसलपुर बांध से मछली पकड़ने की बात पर मारपीट, दो युवक घायल

देवली, (निसं)। यहां उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध से मछली पकड़ने की बात पर मारपीट करने का मामला सामने आया है। हालांकि इस मामले में दो युवक गंभीर चोटिल हुए हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर आरोप लगाया है कि शहर के देवली गांव नेकचाल रोड पर शुक्रवार सुबह एक कार में सवार लोगों ने देवली पालिका के पार्षद और एक अन्य युवक की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस घटना में दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से चोटिल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों घायलों को राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। वहीं घायल युवक कुमोद पोद्दार निवासी बंगाली कॉलोनी को गंभीर चोट आने पर उच्च चिकित्सालय हेतु रेफर कर दिया गया है।

पालिका पार्षद प्रताप विश्वास ने बताया कि वह और उसका साथी कुमोद पोद्दार शुक्रवार की सुबह नासिरदा ग्राम से बाइक लेकर देवली के लिए वापस लौट रहे थे। तभी देवली शहर पहुंचने के करीब नेकचाल बालाजी रोड पर एक सफेद थार ने पीछे से आकर उनकी बाइक को टक्कर मार दी और वह बाइक से गिर गए। यहां पार्षद ने एक फिशरीज सिक्योरिटी कंपनी पर आरोप लगाया कि इसी दौरान थार में सवार आधा दर्जन से अधिक लोग उतरे। जिन्होंने उसे और उसके साथी को कार में बिठा लिया। इस दौरान फिशरीज सिक्योरिटी कंपनी टीम के कर्मचारी उसे और उसके साथी को शहर के जयपुर रोड प्रताप नारायण कॉलोनी के पीछे एक मकान लाकर बंद कर दिया। प्रताप विश्वास ने आरोप लगाया कि यहां सिक्योरिटी कंपनी के कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट की और लोहे के पाइप से पीटा गया जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। वही साथी कुमुद को अंदरूनी चोट पहुंची।

इधर इस मामले में फिशरीज सिक्योरिटी कंपनी के उक्त कर्मचारियों ने पार्षद और उसके साथी पर आरोप लगाया है कि पार्षद प्रताप विश्वास और कुमुद पोद्दार दोनों व्यक्ति बीसलपुर बांध से अनैतिक तौर पर मछली निकालते दिखाई दिए। इस दौरान सिक्योरिटी टीम ने इन्हें मछली पकड़ने से रोका तो वह मछली से भरा कट्टा छोड़कर बाइक पर भाग निकले। इस दौरान फिशरीज सिक्योरिटी गार्ड बादल मीणा दीपू गुर्जर आलोक व आत्मराम ने इनका पीछा किया। तभी प्रताप विश्वास और कुमुद बाइक से गिर गए जिससे शायद चोटिल हो गए। यह भी बताया कि बीसलपुर बांध से अनैतिक तौर पर मछली पकड़ने जानकारी देवली पुलिस थाना में दी गई। इधर इस मामले में घायल प्रताप विश्वास और उसके साथी ने कंपनी के कर्मचारी बादल मीणा दीपू गुर्जर आलोक व आत्मराम के विरुद्ध मारपीट कर जख्मी करने का मामला पुलिस थाने में दर्ज करवाया दिया है। ऐसे में पुलिस ने भी उक्त मामले में जांच शुरू कर दी है।

विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में थिएटर बना रहे हैं। जो उसने हासिल किया है उसके एक चौथाई में ही कई लोग अपने सफल इंटरनेशनल करियर को खत्म कर लेंगे।

- केविन पीटरसन

पूर्व इंग्लैंड कप्तान, भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्टीव स्मिथ

भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक स्टीव स्मिथ ने शुक्रवार को अपने करियर का 34वां शतक लगाया। यह शतक लगाते ही वह भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 11 शतक लगाकर इंग्लैंड के जो रुट के 10 शतक को पीछे छोड़ा है। लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग 8 शतक के साथ तीसरे पायदान पर है।स्मिथ के तीनों फॉर्मेट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर बन गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन ने टेस्ट में सबसे ज्यादा रन औऱ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। इसके अलावा 100 शतक लगाने वाले सचिन दुनिया के इकलौते बल्लेबाज हैं।

राज्य सरकार ही करवाएगी आईपीएल का सफल आयोजन

धनंजय को वीआईपी कल्चर जीने की आदत, मेल लीक नही हुई है बल्कि लीक करवाई गई : जयदीप बिहानी

जयपुर, 27 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में हालात लगातार बिगड़ते नजर आ रहे हैं। एक बार फिर राजस्थान की क्रिकेट में घमासान पैदा हो गई है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में महीनों पहले बनी एडहॉक कमेटी पर कमेटी के सदस्य धनंजय सिंह खींवसर ने गंभीर आरोप लगाए। इससे जुड़ी धनंजय सिंह की एक मेल भी लीक हो गई है। धनंजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा था कि हाल ही में जिस तरह से विभिन्न क्रिकेट प्रतियोगिताओं में टीम का चयन हुआ है, उसमें मनमानी हुई है। उन्होंने सीधे तौर पर एडहॉक कमेटी के कन्वीनर और भाजपा विधायक जयदीप बिहाणी पर सवाल खड़े किए और बिना सदस्यों को सूचित किए कन्वीनर द्वारा फैसले लिए जा रहे हैं। कमेटी के सदस्यों की बिना सहमति के कई नियम और फैसला बदले जा रहे हैं।

धनंजय सिंह ने खिलाड़ियों के चयन पर भी सवाल खड़े किए हैं। इन्ही आरोपों का जवाव देते हुए राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी के कन्वीनर व भाजपा विधायक जयदीप बिहानी ने भी धनंजय खींवसर पर पलटवार करते हुए गंभीर आरोप लगाए। जयदीप बिहानी ने कहा कि किसी भी तरह का आरोप लगाने से पहले एक बार व्यक्ति को अपने बारे में सोचना चाहिए कि वह खुद क्या कर रहे है। उन्होंने कहा कि धनंजय को वीआईपी कल्चर जीने की आदत हैं। कई बार क्रिकेट से जुड़े फैसलों के लिए उनसे बात करने की कोशिश की जाती है लेकिन वो फोन नहीं उठाते हैं, साथ ही उनके

धनंजय सिंह खींवसर

जयदीप बिहानी

पीए भी मेरा फोन नहीं उठाते हैं। पीए धनंजय से बात नही करवाते है। अगर पीए फोन उठाए तो धनंजय सिंह से बात कैसे हो? इसके साथ ही कई बार बैठक में भी धनंजय मौजूद नहीं रहते हैं और जब किसी फैसले पर उनकी राय ली जाती है, तो उस समय वो हां कर देते हैं, लेकिन बाद में पलट जाते हैं। 9 महीने एडहॉक कमेटी बने हुए है, लगभग जयपुर में ही 7-8 मीटिंग हो चुकी है, धनंजय सिंह की उनमे उपस्थिति साठ प्रतिशत ही रही होगी। इनके पास समय कम है, मीटिंगों की सुधबुध ले तो पता चले कि क्रिकेट चलाने को लेकर कैसे काम होता है। जयदीप बिहानी ने कहा कि मेल लीक नही हुई है बल्कि लीक करवाई गई है। एडहॉक कमेटी में बीकानेर के रतन सिंह को सलेक्शन कमेटी का चैयरमेन बनाया गया है। रतन सिंह बार-बार तो बीकानेर से जयपुर नही आ सकते है ।

इसलिए वो कह देते है कि सलेक्शन को लेकर जो उचित फैसला हो वो ले लिया जाए। खिलाड़ियों के सलेक्शन में कोई कमी रहेगी तो रोज -रोज तो मीटिंग नही बुला सकते है और अगर मीटिंग बुलाए तो जब तक टूर्नामेंट ओर मैच दोनो खत्म हो जाएंगे। इसीलिए धनंजय के लगाए गए सारे-के सारे आरोप बेबुनियाद है। एडहॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहानी का कहना है कि सरकार ने सरकार ने क्रिकेट को दुरुस्त करने के लिए कमेटी बनाई थी,आज क्रिकेट सुचारू रूप से चल रहा है। राजस्थान के खिलाड़ियों का खेल प्रदर्शन सबके सामने देखने को मिल रहा है। राजस्थान के खिलाड़ी शतकीय पारियों के साथ-साथ तिहरे शतक बना रहे है। इन खिलाड़ियों का चयन सही हुआ है, इसी बात का प्रमाण है कि एडहॉक कमेटी अपना काम सही तरीके से कर रही है।

एडहॉक कमेटी में हो रहे विवाद के बारे में जयदीप बिहानी ने बताया कि कमेटी अपना काम अच्छे ढंग से कर रही है। जो खिलाड़ी टेलेंटेड है उन खिलाड़ियों को कौन प्रमोट करेगा? सबसे पहले जिला क्रिकेट संघ खिलाड़ी को प्रमोट करता है तभी तो आरसीए करेगा। सरकार ने इसी काम के लिए ही तो हमे यहां भेजा है। जयदीप बिहानी ने चुनाव को लेकर कहा कि अभी तक सभी जिलों की लिस्ट नही आई है जिनमे नए जिले भी शामिल है। जब तक सरकार ये फैसला नही लेती है कि इन जिलों को रखा जाएगा या नही, तब तक चुनाव नही हो पाएंगे। हम किसी भी जिले को वंचित नह रख सकते है, अगर हम अपने हिसाब से चुनाव कर दे तो अगर कोई जिला वंचित रह गया तो वो स्टे ले आएगा। तब हम क्या करेंगे? कमेटी को क्रिकेट बढ़िया करवानी है वो हम करवा ही रहे है, वो भी पूरी ईमानदारी से। आईपीएल को लेकर जयदीप ने कहा कि राज्य सरकार ही करवाएगी आईपीएल का सफल आयोजन। पिछली बार की तरह ही जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम को स्पोर्ट्स कॉउन्सिल से किराये पर लेकर।

इंडिया विमेंस टीम ने तीसरा वनडे 5 विकेट से जीता

वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया, रेणुका ठाकुर प्लेयर ऑफ द सीरीज

वडोदरा, 27 दिसंबर । भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया। भारतीय टीम ने पहला मैच 211 और दूसरा 115 रन से जीता था। 3 वनडे में 10 विकेट लेने वालीं रेणुका सिंह ठाकुर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं।

वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन पर ही सिमट गई। जवाब में भारत ने 28.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने नाबाद 39 रन बनाए और 6 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हेनरी का अर्धशतक, दीप्ति को 6 विकेट

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन बनाए। मैच के पहले ओवर में ही रेणुका सिंह ने दोनों ओपनर्स को आउट कर दिया। कीयाना जोसेफ और हेली मैथ्यूज बिना खाता खोले ही आउट हुईं। टीम के लिए शिनेले हेनरी ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। शेमाइन कैम्पबेल ने 46 रन बनाए। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने 6 विकेट झटके। रेणुका सिंह ने 4 विकेट लिए। दीप्ति ने नाबाद 39 रन बनाए टारगेट चेज करते हुए भारत ने 55 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे। स्मृति मंधाना 4, हरलीन देओल 1 और प्रतिका रावल ने 18 रन बनाए। यहां से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 32 रन और जेमिमा रोड्रिग्स ने 29 रन की पारी खेली। वहीं दीप्ति ने 48 गेंद पर 39 और रिचा घोष ने 11 गेंद पर नाबाद 23 रन बनाए।इंडिया विमेंस ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 115 रन से हराया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपने सबसे बड़े स्कोर की बराबरी की। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में भारत ने 5 विकेट के नुकसान पर 358 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज टीम 46.2 ओवर में 243 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

बालक वर्ग 19 में जयपुर को खिताब तथा बालिका वर्ग में कोटा विजयी

जयपुर, 27 दिसंबर। जयपुर में चल रही राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के तीसरे दिन कई संघर्षपूर्ण व रोमांचक मुकाबले देखने को मिले ।अंडर-19 बालिका वर्ग टीम स्पर्धा में जयपुर ने बीकानेर को 3-0 से एक तरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में प्रवेश किया वहीं जोधपुर ने कोटा को तीन एक से परास्त कर फाइनल में स्थान बनाया। संपन्न हुए फाइनल मुकाबले में जयपुर ने जोधपुर को आकर्षक मुकाबले में तीन एक से हराकर खिताब पर कब्जा किया। वहीं बालक वर्ग 19 टीम स्पर्धा में कोटा ने अलवर को तीन शून्य से परास्त कर फाइनल में प्रवेश किया वहीं बीकानेर ने जयपुर की चुनौती को समाप्त करते हुए उसे तीन शून्य से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में कोटा ने एक तरफा मुकाबले में बीकानेर को तीन शून्य से परास्त कर खिताब पर कब्जा किया। बालक वर्ग 17 एकल मुकाबले में आरव आचार्य जयपुर ने सौरभ कपूर जयपुर को तीन एक से परास्त कर फाइनल में प्रवेश किया वहीं अरमान बाठिया बीकानेर ने लक्ष्य तोषनीवाल कोटा को तीन एक से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारत के खिलाफ स्मिथ के सबसे ज्यादा शतक

मेलबर्न, 27 दिसंबर। मेलबर्न टेस्ट का दूसरा दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। टीम ने स्टीव स्मिथ के शतक की मदद से 474 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। स्टंप्स तक कंगारुओं ने भारत के 164 रन पर 5 विकेट भी गिरा दिए। टीम को अभी भी फॉलोऑन बचाने के लिए 111 रन बनाने पड़ेंगे।

शुक्रवार को रिकॉर्ड की सूची में स्मिथ का नाम चर्चा में रहा। स्मिथ 34वां टेस्ट शतक लगाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी () में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी है। कप्तान पैट कमिंस ने में सबसे ज्यादा विकेट ले लिए हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में स्टीवन स्मिथ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके इस ट्रॉफी में अब तक 10 शतक हो गए हैं। स्मिथ ने सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली 9-9 बार को पीछे छोड़ा है। कमिंस में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस अब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बन गए हैं। कमिंस ने इस ट्रॉफी की 27 इनिंग में 62 विकेट लिए हैं। दूसरे नंबर पर पूर्व भारतीय गेंदबाज जहीर खान है, जिन्होंने 34 इनिंग में 61 विकेट लिए हैं। कमिंस ने मेलबर्न टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल को आउट किया।

भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक स्टीव स्मिथ ने शुक्रवार को अपने करियर का 34वां शतक लगाया। यह शतक लगाते ही वह भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 11 शतक लगाकर इंग्लैंड के जो रुट के 10 शतक को पीछे छोड़ा है। लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग 8 शतक के साथ तीसरे पायदान पर है।स्मिथ के तीनों फॉर्मेट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने अब तक वनडे, टी-20 और टेस्ट मिलाकर 16 शतक लगाया है। दूसरे नंबर पर 14 शतक के साथ रिकी पोंटिंग है। तीसरे नंबर पर 13 शतक के साथ इंग्लैंड के जो रुट मौजूद है।

29वीं कैरम प्रतियोगिता 5 जन. से नेल्लोर में आयोजित

जयपुर, 27 दिसंबर। आल इंडिया कैरम फेडरेशन के तत्वावधान में 29 वीं अखिल भारतीय फेडरेशन कप कैरम प्रतियोगिता, 2024-25 आंध्र प्रदेश कैरम एसोसिएशन एवं नेल्लौर जिला कैरम एसोसिएशन के द्वारा दिनांक 5 जनवरी, 2025 से 8 जनवरी, 2025 तक नेल्लौर, आंध्रप्रदेश में आयोजित की जा रही है। राजस्थान कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरज खत्री ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान राज्य की पुरुष व महिला कैरम टीमें भी इस प्रतियोगिता में भाग लेगी। राजस्थान की पुरुष एवं महिला कैरम टीमों का चयन कर लिया गया है।

राजस्थान की दोनों टीमें 2 जनवरी, 2025 को नेल्लौर के लिए जयपुर से प्रस्थान करेगी। अध्यक्ष खत्री ने यह भी बताया कि नेल्लौर में ही इस प्रतियोगिता के दौरान 7 जनवरी, 2025 को आल इंडिया कैरम फेडरेशन की कार्यकारिणी की एक बैठक भी आयोजित की जा रही है जिसमें 2025-26 वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय स्तर की विविध कैरम प्रतियोगिताओं का कैलेंडर सुनिश्चित किया जाएगा।

पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने भारत को संकट में डाला

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड (दो-दो विकेट) ने चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के आखिरी सत्र में भारत के 164 के स्कोर पर पांच विकेट गिरा कर भारतीय टीम का संकट बढ़ा दिया हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत (नाबाद छह) और रवींद्र जडेजा (नाबाद चार) रन बनाकर क्रीज पर थे। इससे पहले स्टीव स्मिथ (140) की शतकीय, उस्मान ख्वाजा (57), सैम कॉन्स्टास (60) , मार्नस लाबुशेन (72) और कप्तान पैट कमिंस (49) रनों की पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 474 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

ऑस्ट्रेलिया ने आज यहां के कल के छह विकेट पर 311 रन से आगे खेलना शुरु किया। रवींद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (49) को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। जडेजा ने इसके बाद मिचेल स्टार्क (15) कोभी अपना शिकार बना लिया। स्टीव स्मिथ को आकाश दीप ने बोल्ड आउट किया। स्मिथ ने 197 गेंदों में 140 रनों की पारी खेली। नेथन लायन (13) को बुमराह ने पगबाधा कर ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी का 474 के स्कोर पर अंत कर दिया था।

भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिये। रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। आकाश दीप ने दो और वॉशिंगटन सुंदर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र आठ रन पर कप्तान रोहित शर्मा (तीन) का विकेट गवां दिया। रोहित को पैट कमिंस ने आउट किया। इसके बाद चायकाल से ठीक पहले कमिंस ने केएल राहुल (24) को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया। इसके बाद विराट कोहली ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 102 रनों की साझेदारी हुई। शतक की ओर बढ़ रहे यशस्वी 41वें ओवर में रन आउट हो गये।

यशस्वी ने 118 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए (82) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में स्कॉट बोलैंड ने विराट कोहली (36) को आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। इसके बाद बोलैंड ने आकाश दीप (शून्य) को भी अपना शिकार बना लिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ने पांच विकेट पर 164 रन बना लिये है और ऋषभ पंत (नाबाद छह) और रवींद्र जडेजा (नाबाद चार) रन बनाकर क्रीज पर थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो- दो विकेट लिये।

मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड का निराशाजनक खेल जारी

मैनचेस्टर, 27 दिसंबर। पेनल्टी स्पॉट पर एर्लिंग हालैंड की विफलता और ब्रूनो फर्नांडिस के रेड कार्ड ने प्रीमियर लीग की दो दिग्गज टीमों मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड की मुश्किलें बढ़ा दी जबकि लीवरपूल को लीसेस्टर के खिलाफ ऐसी किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। लीवरपूल ने एनफील्ड में कोहरे के बीच खेले गए मैच में एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए लीसेस्टर पर 3-1 से जीत हासिल की। इस जीत से टीम ने 7 अंक की बढ़त के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। लीवरपूल के 17 मैचों में 42 अंक है जबकि दूसरे स्थान पर काबिज चेल्सी के नाम 18 मैचों में 35 अंक है। सिटी को एवर्टन के खिलाफ घरेलू मैदान पर 1-1 से ड्रॉ खेलकर अंक साझा करने पर मजबूर होना पड़ा।

राजधानी

जयपुर में ''मावठ'' के साथ सर्द हवाओं ने छुड़ाई धूजणी

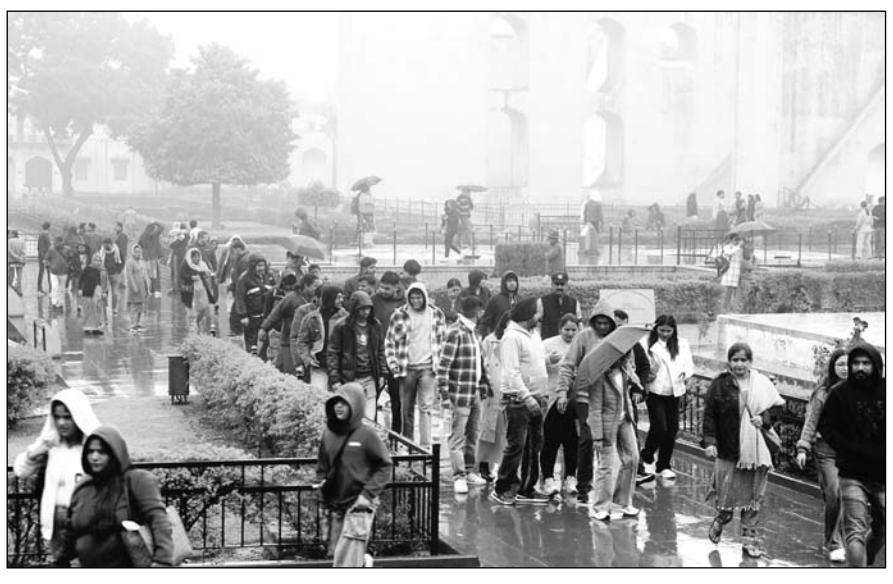

गुलाबी नगरी जयपुर में क्रिसमस व न्यू ईयर सेलिब्रेशन और सर्दी की छुट्टियों का लुत्फ उठाने आये पर्यटकों ने शुक्रवार को बारिश के बीच जंतर-मंतर देखने का आनंद लिया।

- **दिनभर बारिश से तापमान में गिरावट आई, बादलों व कोहरे के कारण नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन**
- **मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना जताई हैं।**

जयपुर में शुक्रवार को दिनभर रुक-रुक कर होती रही बारिश से दुपहिया वाहन चालकों को परेशानी होती रही। सूरज के दर्शन नहीं होने से तापमान में कमी रही जिससे लोग सर्दी से कांपते रहे। विजिबिलिटी भी कम रही। बड़ी चौपड़ पर हुई बारिश का नज़ारा।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पश्चिम विक्षोभ के चलते राजधानी जयपुर समेत पूरे राजस्थान में ''मावठ'' का दौर शुरू हो गया है। गुरूवार रात को हल्की बारिश के बाद लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को दिनभर हल्की बारिश का दौर चला। ऐसा लगा मानों सावन का महीना चल रहा है। एक तरफ जहां बादलों और कोहरे के कारण दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए, वहीं दूसरी तरफ सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है।

बीते दो दिनों से हो रही बारिश के कारण तापमान में भारी गिरावट आई है। ''मावठ'' के साथ-साथ कोहरे के कारण एकबारगी तो जयपुर का नजारा भी शिमला-मनाली जैसा लगा। क्रिसमस (25 दिसंबर) से लेकर नववर्ष का स्वागत के लिए जयपुर में इन दिनों देशी-विदेशी पर्यटकों की भीड़ भी उमड़ी हुई है। यह लोग भी बारिश की बूंदों के बीच जयपुर की हैरिटेज विरासतों को निहारते नजर आए। जयपुर में कोहरे के कारण दिन में अंधेरा होने के कारण रास्ते पर चल रही गाड़ियों को हैडलाइट जलानी पड़ी। जयपुर का जलमहल शुक्रवार सुबह हल्की बारिश और कोहरे के बीच बेहद खूबसूरत नजर आया। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को जयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों में रुक-रुककर दिन भर हल्की बरसात का दौर जारी रहा, जिससे तापमान में कमी आने से ठंड में बढोत्तरी हुई। मौसम विभाग ने 24 घंटों में अजमेर, जयपुर एवं भरतपुर संभाग के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना जताई हैं, हालांकि शनिवार को पश्चिमी राजस्थान में हल्की बारिश के दौर में कमी आयेगी, जबकि कोटा क्षेत्र में कुछ स्थानों पर हल्की बरसात का दौर जारी रहने की संभावना है। इसके बाद 29 दिसंबर से पांच-सात दिनों तक मौसम शुष्क रहने तथा अगले तीन-चार दिनों तक घना कोहरा भी छाया रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में नीमकाथाना में सर्वाधिक 30 मिलीमीटर बरसात दर्ज की गई। इसी तरह अजमेर के पीसांगन एवं पुष्कर 20-20, सीकर के दांतारामगढ़, रामगढ़ शेखावतन, झुंझुनूं के चिडावा एवं पिलानी, झुंझुनूं, नवलगढ़, सीकर, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर, चूरु के रतनगढ़, हनुमानगढ़ के भादरा आदि क्षेत्रों में 10 मिलीमीटर वर्षा हुई। इससे प्रदेश के तापमान में गिरावट आई और सबसे कम 5.4 डिग्री सेल्सियस चुरु में दर्ज किया गया। इसी तरह जैसलमेर में 9.6 डिग्री सेल्सियस न्यूतम तापमान रहा, जबकि शेष लगभग सभी स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। इस दौरान पर्यटन स्थल माउंट आबू में 11.4 एवं जयपुर में 16 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। इस बारिश से प्रदेश में फसलों को फायदा पहुंचेगा, जिससे किसानों के चेहरों पर मुस्कान हैं।

जेकेके में सजेगी गायन-वादन की महफिल

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से 28 और 29 दिसंबर को गायन और वादन के दो दिवसीय उत्सव मधुरम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रसिद्ध कलाकार अपनी गायन और वादन की प्रस्तुति के साथ कला प्रेमियों से रूबरू होंगे। पहले दिन शनिवार को जितेंद्र राणा उप शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगे। इसी के साथ बैंड प्रस्तुति में डॉ. राजर्षि कसौधन और रोशनी केशरी, बांसुरी वादन और गायन की संयुक्त प्रस्तुति से समां बाधेंगे। दूसरे दिन रविवार को डॉ. सुनील राही अपनी सुरीली आवाज में ग़ज़ल का गुलदस्ता सजाएंगे। वहीं विभिन्न बॉलीवुड सॉन्ग्स में अपनी सारंगी की धुन का जादू दिखाने वाले मोमिन खान एकल वादन प्रस्तुति देंगे।

राज्य सरकार ने डीप फेक से सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की

जयपुर। डीप फेक एवं आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस का दुरूपयोग कर सोशल मीडिया पर गलत खबरें फैलाने की बढ़ती हुई घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इससे आमजन में साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। एजवाइजरी के माध्यम से व्यक्तियों और संगठनों को डीपफेक के संभावित खतरों को पहचानने और उनसे बचाव के लिए सुझाव दिये गए हैं। डीपफेक एक तकनीक है जिसमें एआई का उपयोग कर यथार्थ और विश्वसनीय लगने वाले नकली वीडियो, चित्र और ऑडियो बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से गलत सूचनाएं फैलाने, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय ठगी करने का काम किया जाता है।

शनिवार से संभागवार विधायकों से मुलाकात करेंगे मुख्यमंत्री भजनलाल

कहा जा रहा है कि इन मुलाकातों का उद्देश्य बजट सत्र से पहले विधायकों की नाराज़गी दूर करना है

- **मुख्यमंत्री शनिवार को कोटा संभाग के विधायकों से चर्चा करेंगे। रविवार को जोधपुर, उदयपुर, भरतपुर संभाग के विधायकों से मिलेंगे तथा सोमवार को अजमेर, बीकानेर, जयपर संभाग के विधायकों से मुलाकात करेंगे।**
- **इस अभियान में विधायकों से आगामी बजट के लिये सुझाव लिये जायेंगे तथा उनके विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी बजट घोषणाओं की समीक्ष भी होगी।**

जयपुर, 27 दिसम्बर। सरकार जनवरी के तीसरे सप्ताह में विधानसभा सत्र (बजट सत्र) बुला सकती है। बजट पेश होने के कारण यह सत्र करीब एक महीने तक चल सकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तय किया है कि इस सत्र से पहले, वे पार्टी के सभी विधायकों से बातचीत करेंगे। सदन में पहले भी भाजपा के विधायक अपनी ही सरकार को घेरते हुए नजर आए थे और कई विधायक अपनी ही सरकार में काम नहीं होने को लेकर निजी व सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जता चुके हैं। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए सीएम भजनलाल शर्मा विधायकों से संभागवार फीडबैक लेने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री तीन दिन में सात संभागों के विधायकों से और अगले तीन दिन सीएमआर में संभागवार सभी विधायकों से चर्चा करेंगे। चर्चा की शुरुआत शनिवार को कोटा संभाग के विधायकों से होगी। रविवार को जोधपुर, उदयपुर और भरतपुर के विधायकों से तथा सोमवार को अजमेर, बीकानेर और जयपुर के विधायकों से बातचीत करेंगे।

संभावना है कि मुख्यमंत्री विधायकों के साथ बैठक में जनवरी माह में होने वाले रोजगार उत्सव, उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोह के साथ ही, विधायकों द्वारा अपने क्षेत्र के विकास कार्यों की पुस्तिका जारी करने के संबंध में चर्चा करेंगे।

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की स्थिति पर भी चर्चा की जाएगी। टीबी मुक्त अभियान की विस्तृत जानकारी, पंच गौरव कार्यक्रम (एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक प्रजाति, एक जिला-एक खेल, एक जिला-एक उपज, एक जिला-एक स्थल) के दिशा निर्देशों पर चर्चा होगी। वहीं, विधायकों से आगामी बजट एवं प्रदेश के विकास के रोडमैप को लेकर सुझावों पर चर्चा की जाएगी।

गौरतलब हैं कि पहले भी कई विधायक नाराजगी जता चके हैं। पिछले विधानसभा सत्र में बांदीकुई विधायक भागचंद टाकड़ा ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया था। उन्होंने अपनी ही सरकार के वन विभाग पर वसूली करने के आरोप लगाए थे।

उन्होंने विधानसभा में वन एवं पर्यावरण विभाग की अनुदान मांगों पर बोलते हुए कहा था कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में वनकर्मी चौथ वसूली कर रहे हैं। बजरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली को मिट्टी की बताकर कम जुर्माना लगाया जाता है। ट्रैक्टर मालिक से 50-50 हजार रुपए की रिश्वत ली जाती है।

लालसोट से भाजपा विधायक रामबिलास मीणा अपनी ही सरकार के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की कार्यशैली से नाराज हो गए थे। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि वे मुख्यमंत्री से उनकी शिकायत करेंगे।

आगामी बजट को लेकर भी बैठक में सीएम भजनलाल शर्मा विधायकों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। इसमें आगामी बजट के लिए सुझाव और विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी बजट घोषणाओं की समीक्षा भी होगी।

बठिंडा में बस नाले में गिरी : आठ की मौत

बठिंडा, 27 दिसंबर। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार दोपहर भारी बारिश के बीच 44 यात्रियों को ले जा रही एक निजी बस गंदे नाले में गिर गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। बठिंडा की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमनीत कोंडल राहत कार्यों को अंजाम देने के लिए अन्य अधिकारियों के साथ दुर्घटना स्थल पर पहुंचीं। उन्होने बताया कि एक निजी ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस मानसा जिले के सरदूलगढ़ से करीब 70 किलोमीटर दूर बठिंडा जा रही थी। जब बस अपने गंतव्य से करीब 13 किलोमीटर दूर थी, तो यह तलवंडी रोड पर जीवन सिंह वाला में लिसारा नाले में पलट गई। कोंडल ने कहा, प्रशासन और पुलिस दल तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से बचाव अभियान चलाया गया। एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) की एक टीम को भी बुलाया गया और वह इलाके की जांच करने के लिए मौके पर पहुंची। आस-पास के गांवों के निवासियों ने कहा कि वे पुलिस और नागरिक प्रशासन के हरकत में आने से पहले ही दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए थे।

- **भारी वर्षा, तेज हवा व बिजली गिरने से बस का संतुलन बिगड़ा।**

चौमूं में स्कूल बस पुलिया से टकराई, शिक्षक की मौत

सारांश कोचिंग की बस में सवार 30 बच्चों में से 9 घायल हुए

- **स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित होने के बावजूद कोचिंग इन्स्टीट्यूट में स्कूल चल रहा था। बस का ब्रेक फेल होने के कारण बस भोजलावा कट पर निर्माणाधीन पुलिया से टकराई।**

चौमू/कालाडेरा, 27 दिसंबर। चौमूं शहर में एनएच-52 पर भोजलावा कट के पास शुक्रवार सुबह स्कूल के बच्चों से भरी बस ब्रेक फेल होने के कारण निर्माणाधीन पुलिया में घुस गई। इस हादसे में बस ड्राइवर व नौ बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए और एक शिक्षक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बस में करीब 30 से अधिक बच्चे सवार थे। हादसे के दौरान, मौके पर सैंकड़ों लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सूचना मिलने पर चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मौका-मुआयना किया। स्कूल बस सारांश कोचिंग इंस्टीट्यूट की बताई जा रही है।

गौरतलब है कि जयपुर जिला कलेक्टर की ओर से 10 दिवसीय शीतकालीन अवकाश घोषित होने के बाद भी सारांश कोचिंग इंस्टीट्यूट में स्कूल संचालित हो रही है।

चौमू उपखण्ड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि, कोचिंग इंस्टीट्यूट की बस इटावा से चौमूं आ रही थी। इसी दौरान, एनएच-52 पर भोजलावा कट के पास बस का ब्रेक फेल हो गया। बस अनियंत्रित होकर निर्माणाधीन पुलिया से टकरा गई। हादसे में टीचर आंनदीलाल शर्मा (39) पुत्र रामेश्वर प्रसाद शर्मा निवासी बावड़ी की ढाणी, तिगरिया की मौत हो गई।

चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि एक स्टूडेंट की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि 8 स्टूडेंट्स और बस ड्राइवर को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। शिक्षक का शव चौमूं के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है।

चारागाह जमीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भूमि पर भूमाफियाओं ने अतिक्रमण कर दुकानें बना ली हैं। अदालत ने अतिक्रमण हटाने के संबंध में पिछली सुनवाई पर तहसीलदार बैजूपाड़ा से रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन तहसीलदार व एसडीएम ने अभी तक अतिक्रमण हटाने की कोई भी कार्रवाई नहीं की है। अधिकारियों की ओर से अतिक्रमियों को नोटिस जारी कर पुलिस जाब्ता नहीं मिलने का बहाना बनाकर कार्रवाई नहीं की जा रही है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने स्थानीय कलेक्टर को शपथ पत्र पेश कर अतिक्रमण हटाने की रिपोर्ट पेश करने को और ऐसा नहीं करने पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर अपना जवाब देने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकारा

- **डल्लेवाल की चिकित्सा को गंभीरता से लेने के निर्देश दिये।**

नयी दिल्ली, 27 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने कृषि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत, अन्य मांगों को लेकर पंजाब-हरियाणा खनौरी सीमा पर 26 नवंबर से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे 70 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के चिकित्सा संबंधी मामले से निपटने में पंजाब सरकार के रवैये पर शुक्रवार को नाराजगी व्यक्त की और कहा कि इसे गंभीरतापूर्वक लिया जाए। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह से कहा, कृपया इसे बहुत गंभीरता से लें, किसी की जान दांव पर लगी है। शायद आप इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अन्यथा, आप अब तक उन्हें चिकित्सा सहायता दे चुके होते।

पीठ ने पंजाब सरकार से दल्लेवाल को चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि अगर कुछ लोग कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं, तो उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर होने के कारण, उससे शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। पीठ ने मामले में नोटिस जारी करते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का भी आदेश दिया।

पीठ के समक्ष महाधिवक्ता ने कहा कि पंजाब के कैबिनेट मंत्री दल्लेवाल से मिलने गए थे, जहां उन्हें प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र सौंपा गया था। उस पत्र में कहा गया था कि अगर केंद्र हस्तक्षेप करता है, तो स्थिति शांत हो जाएगी। उन्होंने बताया कि दल्लेवाल ने कहा कि अगर कुछ बातचीत हो सकती है तो वह चिकित्सा सहायता के लिए सहयोग करने को तैयार हैं।

मूंग खरीद का लक्ष्य व अवधि बढ़ायें

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने केन्द्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखा।**

जयपुर, 27 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के किसानों के हित में मूंग के खरीद लक्ष्य को बढ़ाने सहित, खरीद अवधि को भी 5 फरवरी तक बढ़ाने के संबंध में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर अनुरोध किया है। शर्मा ने राज्य में असमय हुई वर्षा एवं भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मूंग खरीद के लिए गुणवत्ता मापदण्डों में शिथिलता प्रदान करने के लिए भी केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को पत्र लिखा है। इससे अधिकाधिक किसानों से मूंग की खरीद सुनिश्चित होने के साथ ही, उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी।

पांचवे दिन भी बोरवैल से नहीं निकल पाई चेतना

रूक-रूक कर हो रही बारिश से बोरिंग का काम पूरा नहीं हो पा रहा

- **सांसद राव राजेन्द्र सिंह व विधायक हंसराज पटेल ने रेस्क्यू अभियान की मॉनिटरिंग की।**

कोटपूतली, 27 दिसंबर। ग्राम किरतपुरा की ढाणी बड़ीयाली में सोमवार 23 दिसम्बर की दोपहर करीब 02 बजे बोरवेल में गिरी 03 वर्षिय मासूम बालिका चेतना, पुत्री भूपेन्द्र चौधरी का 'रेस्क्यू ऑपरेशन' 5वें दिन में प्रवेश कर चुका है। जैसा कि विदित है कि चेतना पांच दिन पूर्व 150 फिट गहरे गड्ढे में गिर गई थी।

प्रशासन एक के बाद एक प्रयोग कर रहा है किन्तु करोड़ों रुपये खर्च करने और तमाम प्रयासों के बाद भी चेतना को बोरवेल से बाहर नहीं निकाल पाया है। शुक्रवार को 05 वें दिन करीब 100 घण्टे का समय बीत जाने के बाद भी चेतना का रेस्क्यू ऑपरेशन सफल नहीं हो सका। कुल मिलाकर अब यह 'रेस्क्यू ऑपरेशन' राजस्थान का सबसे लंबा चलने वाला रेस्क्यू ऑपरेशन बन गया है। प्रशासन व सरकार के स्तर पर चर्चायें कुछ भी हों, लेकिन यह बीता हुआ 100 घण्टों का समय चेतना व उसके परिवार के लिये बड़ा ही कष्टदायी रहा है। बोरवेल में पांच दिन से भूख-प्यास से पीड़ित मासूम बच्ची की पुकार तो किसी को सुनाई नहीं दे रही है, लेकिन चेतना की माँ धोली देवी बार-बार बेहोश हो रही है। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार हालात की मॉनीटरिंग कर रही है, डॉ. शेखावत ने बताया कि धोली देवी कुछ खा नहीं रही हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह व विधायक हंसराज पटेल ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान का जायजा लिया। अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देकर परिजनों से भी बातचीत की। घटना के बाद से ही एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश चौधरी, एसपी राजन दुष्यंत, एएसपी वैभव शर्मा, नगरपरिषद आयुक्त धर्मपाल जाट सहित, पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं एवं लगातार मौके को सम्भाले हुये हैं पुलिस ने किरतपुरा की ढ़ाणी बडियाली की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरीकेडिंग भी की है।

उल्लेखनीय है कि चेतना करीब 750 फिट गहरे बोरवेल में करीब 150 फीट पर अटकी हुई है। प्रशासन का प्लान ए विफल रहने के बाद प्लान बी के तहत हरियाणा के गुरूग्राम से मंगवाई गई पाईलिंग मशीन ने गुरूवार सुबह 03 बजे तक करीब 155 फिट गहरा गड्ढा खोदा, जिसके बाद गहराई में पत्थर आ जाने की वजह से करीब 03 घण्टे तक रेस्क्यू अभियान रूका रहा। बाद में पाईलिंग मशीन की बिट चेंज करके 160 फिट तक खुदाई की गई। एनडीआरएफ निरीक्षक योगेश मीणा ने बताया कि इसके बाद पाईलिंग मशीन को बदलकर करीब 170 फिट खुदाई की गई है। गुरूवार रात्रि को बोरवेल की खुदाई के बाद केसिंग का कार्य किया जा रहा था। लेकिन रात्रि करीब 01 बजे शुरू हुई बारिश आफत का सबब बन गई। बारिश के कारण पाईपों की केसिंग में वैल्डिंग का कार्य पूरा नहीं हो सका, जिसके चलते रात भर कार्य रूका रहा। शुक्रवार को दिन भर हुई बारिश के कारण इन पाईपों की केसिंग में वैल्डिंग का कार्य रूक-रूक कर जारी रहा। बताया जा रहा हैं कि केसिंग का कार्य अन्तिम चरण में है। फिलहाल 'जी शेप हुक' के जरिये बच्ची को बोरवेल में अटकाया हुआ है। जहां देशी तकनीक से एल बैंड लगाकर अम्ब्रेला बेस व जी शेप हुक लगाकर होल्ड पर रखा गया है।

समाचार लिखे जाने तक एनडीआरएफ टीम गड्ढे में उतरने की तैयारियां कर रही थी। इसके लिये विशेष तौर पर ऑक्सीजन सिलेंडर एवं अन्य तकनीकी तैयारियां की गई हैं। टीम को पाइप की केसिंग में बैठाकर बोरवेल में नीचे उतारा जायेगा।

बिहार में सत्तारूढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाया जा रहा है कि नीतीश कुमार को एन.डी.ए. मार्ग दर्शक मंडल की ओर धकेलने की रणनीति के तहत उन्होंने यह सब कहा।

जे.डी.ए. नेताओं ने सीधे ही इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहा है, परंतु असंतोष के सूक्ष्म संकेत नजर आने लगे हैं। पार्टी के एक्स हैंडल द्वारा जारी एक पोस्टर का कैप्शन था : "जब बिहार की बात हो, तो नाम सिर्फ नीतीश कुमार हो।"

भाजपा तथा जे.डी.ए., दोनों के लिए यह स्थिति पेचीदा है। कुमार की चिंता यह है कि चुनाव बाद के परिदृश्य में, जद यू के बिना भाजपा राज्य में सरकार गठित करने का प्रयास कर सकती है, जिसके लिए वह, जीतन राम मांजी की एच.ए.एम. और चिराग पासवान की ए.जे.पी. (रामविलास) जैसी, एन.डी.ए. गठबंधन की छोटी पार्टियों का सहारा ले सकती है। भाजपा के लिए चिंता यह है कि नवंबर में होने वाले चुनावों से पूर्व कुमार एक बार फिर पाला बदलकर महागठबंधन में जा सकते हैं।

विपक्षी दल आर.जे.डी. ने इस अनिश्चितता का फायदा उठाना शुरू कर दिया है। आर.जे.डी. के प्रमुख लालू यादव के करीबी तथा विधायक, भाई वीरेन्द्र ने हाल ही में कहा कि आर.जे.डी. फिर से कुमार के साथ गठबंधन के लिए तैयार है, अगर वे भाजपा जैसी साम्प्रदायिक ताकतों से सम्बंध तोड़ देते हैं तो।

विधवा ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीड़िता ने जयपुर में अपने परिचितों के यहां पर शरण ली है।

इस मामले में जमीन पर खेती कर रहे रामनिवास बलाई ने भी प्रागपुरा थाने में एसटी एससी और जबरन घुसकर मारपीट करने, जानलेवा हमले और कब्जा करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मणिपुर के लोगों के हृदय में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी इस यात्रा के शीघ्र बाद ही यह कानून इंफाल की नगरपालिका सीमा से उठा दिया गया था। यह एक ऐसा निर्णय था, जिसकी गूँज मणिपुरवासियों की आकांक्षाओं से पूरी तरह एकाकार हो गई थी।

दो वर्ष बाद, 2 दिसम्बर, 2006 को डॉ. सिंह विकास-केन्द्रित कदमों के साथ मणिपुर गये थे उन्होंने कई प्रमुख पहलों की घोषणा की थी, जिनमें शामिल हैं- रीजनल इन्स्टीट्यूट ऑफ मैडिकल साइंसेज (रिम्स) को एम्स के स्तर तक उठाना, स्थानीय प्रतिभाओं के विकास एवं प्रशिक्षण के लिये नैशनल स्पोर्ट्स एकेडमी स्थापित करना, राज्य की पहुँच एवं आर्थिक संभावनाओं को बढ़ाने के लिये सड़क एवं हवाई कनैक्टिविटी बढ़ाना आदि।

उनके इस दौरे से प्रधानमंत्री की उस प्रतिबद्धता को बल मिला कि राष्ट्रीय नीति-निर्माण में प्राय: उपेक्षा का शिकार रहे इस क्षेत्र में विकास संबंधी अंतर को समाप्त किया जाये।

डॉ. सिंह का तीसरा मणिपुर-दौरा, जो 3 दिसम्बर 2011 को हुआ था, कई मैगा प्रोजैक्टों के उद्घाटनों की दृष्टि से उल्लेखनीय रहा। इस दौरे पर यू.पी.ए. चेयरमैन सोनिया गांधी भी उनके साथ गई थीं। उन्होंने सिटी कन्वेन्शन सैन्टर, जो सांस्कृतिक तथा सरकारी आयोजनों का है, इन्टर-स्टेट बस टर्मिनस, जिसका उद्देश्य क्षेत्र को यातायात की बेहतर तथा पर्याप्त सुविधायें प्रदान करना था तथा उच्च न्यायालय परिसर, जो न्यायिक प्रगति का प्रतीक था, के उद्घाटन किये थे।

मणिपुर के लोगों को संबोधित करते हुये, डॉ. सिंह ने मणिपुर की जमीनी अखण्डता तथा राज्य के समग्र विकास के प्रति केन्द्र सरकार की सुनिश्चित प्रतिबद्धता को दोहराया था।

प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. सिंह का कार्यकाल समानुभूति तथा कार्य का अद्भूत संगम था तथा उसने मणिपुर पर अमिट प्रभाव छोड़ा था।

अफ्सपा तथा काँगला फोर्ट जैसी पुरानी शिकायतों और तकलीफों से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा चिकित्सा क्षेत्र में उन्नति के जरिये, विकास संबंधी आकांक्षाओं के पोषण तक उनकी ये यात्राएं मणिपुर के तत्कालीन इतिहास के महत्वपूर्ण एवं निर्णायक क्षण थीं।

मणिपुर के लोग, अपने संघर्षों के बीच, उन्हें एक नेता के रूप में याद करते हैं, जिन्होंने उथल-पुथल वाले दौर में उनकी बातें सुनी तथा जरूरी कदम उठाये।

उनकी विरासत, केन्द्र और परिधि के बीच के अंतर को पाटने में प्रभावी प्रशासन की छाप को याद दिलाने का काम कर रही है।

काफी मंथन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद में, मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा, सिंह का जीवन ईमानदारी और सादगी की मिसाल था। उन्होंने देश को आर्थिक संकट से उबारा और नई अर्थव्यवस्था का पथ प्रशस्त किया। प्रधानमंत्री के रूप में, देश के विकास एवं प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी से सिंह का पृथक स्मारक बनाने को कहा, ताकि उनकी विरासत हमेशा बनी रहे। राहुल और प्रियंका ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से पृथक स्मारक बनवाने की मांग की।

बिहार में फिर छात्रों के साथ सड़क पर उतरे खान सर

- **बी.पी.एस.सी. के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन जोर पकड़ रहा है।**

पटना, 27 दिसम्बर। बिहार के मशहूर शिक्षक खान सर एक बार फिर बीपीएससी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने पटना में जारी छात्रों के प्रदर्शन में पहुंचकर छात्रों के साथ खड़े रहने की बात कही। उन्होंने इस दौरान कहा कि हम सब अपना हक मांगने के लिए यहां हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हम तब तक लड़ेंगे जब तक हम सभी को अपना हक नहीं मिल जाता है। 25 दिसंबर को बीपीएससी के खिलाफ जारी प्रदर्शन शामिल छात्रों पर पुलिस की लाठीचार्ज के बाद ये पहला मौका है जब खान सर छात्रों के साथ एक बार फिर खड़े दिख रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों पर 25 दिसंबर की शाम को बिहार पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। पुलिस ने उस वक्त लाठीचार्ज किया था जब छात्र बीपीएससी कार्यालय का घेराव करने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि पुलिस पहले छात्रों को बीपीएससी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने से रोकने की कोशिश कर रही थी लेकिन जब प्रदर्शनकारी छात्र नहीं मानें तो पुलिस को उनके ऊपर लाठीचार्ज करना पड़ा।

क्या भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं और प्रधानमंत्री का रिकॉर्डेड संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री की जोरदार तारीफ की है। इसके साथ भाजपा नेताओं और मोदी सरकार के मंत्री भी टी.वी. स्क्रीन पर नज़र आए और डॉ. मनमोहन सिंह की तारीफ की।

कुछ चैनल्स ने तो यह कहानी शुरु कर दी है कि डॉ. सिंह के कांग्रेस पार्टी से वह सम्मान और सहयोग नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। वे संकेत दे रहे हैं कि कैसे सोनिया तथा समूचे गांधी परिवार ने उनके साथ बुरा व्यवहार किया था तथा उन पर अपना एजेंडा चलाने का दबाव डाला था।

अगले कुछ दिन तक गोदी मीडिया पर ऐसी ही खबरें चलेगी, डॉ. सिंह और सोनिया के बीच कितना मनमुटाव तथा मतभेद था।

क्या यह निरंतर कवरेज इसलिए मिल रहा है कि डॉ. सिंह गैर गांधी प्रधानमंत्री थे?

जब वे जीवित थे तब भाजपा ने डॉ. सिंह को अपमानित करने व उनकी छवि खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन पर "एक्सीडैंटल प्राइम मिनिस्टर" जैसी फिल्म बनाई गई। मोदी ने तो यहाँ तक कहा कि डॉ. सिंह रेन कोट पहनकर नहाते हैं।

डॉ. सिंह को भाजपा ने कठपुतली, कमज़ोर शख्स बताया, उन्हें ट्रोल किया गया तथा संघ समर्थकों ने उनका खूब मज़ाक उड़ाया।

सूत्रों ने कहा अब अचानक से मनमोहन सिंह के प्रति इतना प्रेम उमड़ रहा है, खासकर नरेन्द्र मोदी द्वारा जो प्रेम जताया जा रहा है, उससे पता चलता है कि भाजपा में उच्चतम स्तर पर घटिया राजनीति खेली जाती है।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संस्कार के दिन सभी राजनयिक मिशनों एवं विदेशों में भी उच्चायोगों में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे।

हिमाचल प्रदेश में हिमपात लगातार जारी

शिमला, 27 दिसंबर। हिमाचल प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। राज्य की पर्वत श्रृंखलाओं पर बीती रात से हिमपात हो रहा है। वहीं राजधानी शिमला से सटे पर्यटन स्थल कुफ़री, नारकंडा, खड़ापत्थर, जुब्बल, कोटखाई, चौपाल इत्यादि क्षेत्रों में सुबह से हिमपात का दौर शुरू हो गया है। ताजा हिमपात से अपर शिमला में वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। नारकंडा में दो इंच से ज्यादा हिमपात हो चुका है। इस वजह से शिमला-रामपुर नेशनल हाईवे ठप हो गया है और वाहनों को वाया सुन्नी होकर भेजा जा रहा है। शिमला शहर में हल्की बारिश हो रही है और यहां मौसम हिमपात के अनुकूल बना हुआ है। राज्य के मैदानी हिस्सों में भी कुछ जगह हल्की वर्षा हो रही है।

राज्य के पहाड़ी इलाकों में दिसम्बर में यह सीज़न की तीसरा हिमपात हो रहा है। इससे पहले आठ दिसम्बर और 23-24 दिसम्बर को भी हिमपात हुआ था।

फैन्स को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी फिल्म स्टार्स को उठानी चाहिए

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी की फिल्म उद्योग को दो टूक सलाह

- **सुपर स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के समय संध्या थिएटर में मची भगदड़ में सरकार द्वारा अल्लू अर्जुन को जिम्मेवार माने जाने व कस्टडी में लिए जाने को लेकर उठे विवाद के बाद फिल्म उद्योग का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला, जिसमें मुख्यमंत्री ने उक्त सलाह दी।**
- **मीटिंग में मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि कानून सभी के लिए समान है, चाहे वो फिल्म स्टार हो या आम आदमी।**
- **मुख्यमंत्री ने कहा कि भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई, उसका बच्चा कोमा में है, पर सब अल्लू अर्जुन से सहानुभूति दिखा रहे हैं। इसके बाद तेलुगू फिल्म उद्योग ने मृतका के परिजनों को दो करोड़ रूपए देने की घोषणा की।**
- **मुख्यमंत्री ने फिल्म उद्योग की समस्याएं निपटाने का आश्वासन दिया और इसके लिए मंत्रियों का एक समूह गठित किया तथा फिल्म उद्योग को भी सलाह दी कि वे एक प्रतिनिधिमंडल बनाएं जो सरकार से सीधे वार्ता कर सके।**

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर ऐसे आरोप लगाये जा रहे थे कि वह तेलुगू फिल्म उद्योग के खिलापु उत्तेजना पैदा कर रही है तथा चाहती है कि फिल्म उद्योग, राजनैतिक रूप से, उसके अनुसार काम करे। इन आरोपों के बीच, राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुवार को शीर्ष फिल्म प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की तथा रेड्डी ने फिल्म उद्योग को हर संभव मदद देने का वादा किया। प्रतिनिधिमंडल में पुष्पा-2 के अभिनेता अल्लू अर्जन के पिता, जाने माने फिल्म निर्माता अल्लू अरविंद भी शामिल थे।

हैदराबाद के संध्या थिएटर में हुई भगदड़, जिसमें एक महिला रेवती की मौत हो गई थी तथा उसका 9 साल का बेटा कोमा में हैं, को देखते हुए यह मीटिंग महत्वपूर्ण है। ऐसे राज्य, जहाँ फिल्मों और राजनीति का गहरा रिश्ता है, वहाँ यह मीटिंग और भी ज्यादा मायने रखती है। ज्ञातव्य है कि जब आंध्र प्रदेश विभाजित नहीं हुआ था, उस समय एक फिल्म स्टार एन.टी. रामाराव ने तेलूगु देशम पार्टी बनाई और 9 माह बाद हुए चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया था। इस समय उनके दामाद एन. चंद्रबाबू नायडू आंध्र के मुख्यमंत्री हैं तथा उनके कई रिश्तेदार जो फिल्मों में है, उन्होंने पार्टी का प्रचार भी किया था। एन.टी.आर. के पोते जूनियर एन.टी.आर. को भाजपा ने अपनी तरफ करने की बहुत कोशिश की, पर उसने राजनीति में आने से मना कर दिया।

भगदड़ केस में जब अल्लू अर्जुन को आरोपी बनाया गया तो भाजपा तुरंत उनके बचाव में उतर आई, उसने कांग्रेस पर फिल्म उद्योग को परेशान करने का आरोप लगाया ताकि फिल्मों से जुड़े लोगों को अपने पास में किया जा सके। लेकिन मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी, जो कि अल्लू अर्जुन के परिवार के करीबी बताए जाते हैं, ने भाजपा के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि कानून सभी के लिए समान है और पुलिस अपना काम कर रही थी, अगर अल्लू अर्जुन ने कुछ गलत किया हे तो जाँच होगी और कानून के अनुसार उन्हें सजा भी होगी।

बताया जाता है कि मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार थिएटर में हुई भगदड़ को लेकर गंभीर है। उन्होंने इस बात की निंदा की, सारा फिल्म उद्योग अल्लू अर्जुन के घर जाकर उनके प्रति सद्भाव दर्शा रहा है, पर उस महिला रेवती और उसके परिवार के प्रति कोई सहानुभूति नहीं जता रहा है। रेवती का 9 साल का बेटा श्री तेज अभी भी कोमा में है।

विरोध प्रदर्शन के काफी बाद में अल्लू अर्जुन एवं फिल्म निर्माताओं ने पीड़ित परिवार को दो करोड़ रूपए देने की घोषणा की।

जाँच चल रही है, पर फिल्म इण्डस्ट्री एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला तथा उन्हें इण्डस्ट्री की समस्याओं से अवगत करवाया और सहायता मांगी।

मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि फिल्मी हस्तियों को अपने फैन्स को नियंत्रित करने की जिम्मेवारी उठानी चाहिए। कानून और व्यवस्था पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने नागार्जुन (जिनका एक भवन नॉन अप्रूव्ड ज़ोन में होने के कारण सरकार ने तोड़ दिया था), वैंकटेश भी शामिल थे, जिन्होंने टिकट रेट्स, स्पेशल स्क्रीनिंग के राइट्स के बारे में मुख्यमंत्रीसे सहायता मांगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रियों का एक समूह फिल्म उद्योग से जुड़े मसले को देखेगा। उन्होंने फिल्म इण्डस्ट्री को एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का सुझाव दिया ताकि दोनों मिल बैठकर मसेल सुलझा सके।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908